आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, मंगलवार 07 अप्रैल 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 137

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

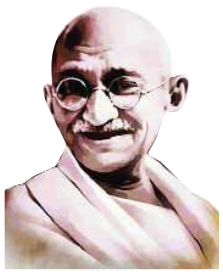

राष्ट्रपिता को नमन...

बजट आया है... उम्मीदें लाईए, निराशा मुफ्त पाइए!

अक्षय की बात
अपनो के साथ

नगर निगम इंदौर का बजट फिर से दस्तक दे चुका है। हर साल की तरह इस बार भी कागज़ों में विकास दौड़ रहा है, और ज़मीन पर वही पुराना ट्रैफिक जाम आराम फरमा रहा है। जनता की उम्मीदें भी हर साल बजट के साथ नए कपड़े पहनकर आती हैं, मगर साल खत्म होते-होते वे भी पुराने गड्ढों में गिरकर दम तोड़ देती हैं। बजट में इस बार शहर को 'स्मार्ट', 'ग्रीन' और 'क्लीन' बनाने के बड़े-बड़े वादे किए गए हैं। 'स्मार्ट' इसलिए कि ऐप पर शिकायत दर्ज कर दो, और फिर भूल जाओ—क्योंकि समाधान का नोटिफिकेशन शायद अगले बजट के साथ ही आएगा। 'ग्रीन' इसलिए कि पेड़ काटने की फाइलें तेजी से हरी हो रही हैं। और 'क्लीन' इसलिए कि सफाई के दावे प्रेस कॉन्फ्रेंस में इतनी बार दोहराए जाते हैं कि सुनते-सुनते कान साफ हो जाते हैं। इंदौर, जो देश में स्वच्छता के मामले में कई बार अव्वल रहा है, अब बजट में भी अव्वल दिखने की कोशिश कर रहा है—कम से कम कागज़ों पर। सड़कें इतनी शानदार बताई जाती हैं कि लगता है जैसे पेरिस की गलियां हों, लेकिन हकीकत में गड्ढे इतने गहरे हैं कि अगर कोई गलती से गिर जाए तो सीधे अगले चुनाव में ही बाहर निकले।

पानी की बात करें तो बजट में 'हर घर पानी' का सपना फिर सजाया गया है। लेकिन कई इलाकों में यह सपना अब भी 'हर हफ्ते पानी' तक ही सीमित है। नल में पानी आने का समय ऐसा रहस्यमयी होता है कि लोग अलार्म नहीं, बल्कि ज्योतिषी की सलाह लेने लगे हैं। ट्रैफिक सुधार के लिए भी मोटे अक्षरों में योजनाएं लिखी गई हैं। फ्लाईओवर, सिग्नल, स्मार्ट पार्किंग—सब कुछ मौजूद है, सिवाय ट्रैफिक के सुधरने के। ऐसा लगता है कि ट्रैफिक जाम अब इंदौर की सांस्कृतिक धरोहर बन चुका है, जिसे बजट भी छूने से डरता है। नगर निगम के बजट में हर बार 'जनभागीदारी' की बात होती है। लेकिन असलियत में जनता की भागीदारी केवल टैक्स भरने तक सीमित रह जाती है। उसके बाद योजनाएं खुद ही भाग जाती हैं- कभी फाइलों में, कभी ठेकेदारों के पास, तो कभी घोषणाओं के बीच कहीं गुम हो जाती हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि बजट में हर समस्या का समाधान मौजूद होता है—बस समस्या यह है कि समाधान कभी ज़मीन तक पहुंचता ही नहीं। जैसे कोई डॉक्टर हर बीमारी की दवा लिख दे, लेकिन मरीज तक दवा पहुंचे ही न। अंततः, इंदौर की जनता हर साल की तरह इस बार भी आशा और व्यंग्य के बीच झूल रही है। उम्मीद है कि शायद इस बार कुछ बदलेगा... और व्यंग्य यह है कि यह उम्मीद भी हर साल की तरह बजट भाषण के साथ ही खत्म हो जाएगी। कुल मिलाकर, बजट में सब कुछ है- सिवाय उस चमत्कार के, जिसकी जनता को सच में जरूरत है।

न्यूज ब्रीफ

- पिछले 24 घंटों में इजरायल के खिलाफ किए 60 से ज्यादा सैन्य ऑपरेशन, हिज्बुल्लाह का दावा
- बंगाल SIR -27 लाख से ज्यादा मतदाता वोटर लिस्ट से बाहर, EC ने पहली बार जारी किया जिलेवार डेटा
- ईरान ने दक्षिणी इजरायल में दागी कई मिसाइल, कई इलाकों में बजे सायरन
- एअर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से दिया इस्तीफा
- नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में नई स्कीमों को मंजूरी, फ्लैट खरीदारों को मिलेगी राहत

'माय गुट-माय रुल' की तर्ज पर चले सिंधिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● क्या ज्योतिरादित्य सिंधिया अब बीजेपी में भी अपना एक अलग गुट बनाकर पार्टी के अंदर अपनी सरकार चलाने की तैयारी कर चुके हैं। लगता तो ये भी है कि सीएम मोहन यादव के साथ उनकी कुछ खास पटरी नहीं बैठ रही है। वैसे तो सिंधिया अपना गुट लेकर साथ ही आए थे, लेकिन अब माय गुट माय रूल्स की तर्ज पर आगे बढ़ रहे हैं। ज्योतिरादित्य से जुड़ी जो खबरें सामने आ रही हैं वो तो यही इशारा करती हैं कि सिंधिया पार्टी लाइन से बड़ी लकीर खींचने की कोशिश कर रहे हैं और बीजेपी हर बार उनकी लकीर को ट्रिम करने में जुट रही है। हाल ही में उनकी खुद के क्षेत्र में ऐसी घटना हुई है जो इस तरह इशारा कर रही है कि सिंधिया और सीएम अलग-अलग ट्रेक पर चल रहे हैं।

नया विवाद : लोकार्पण या राजनीति?

कांग्रेस हो या बीजेपी हो सिंधिया जहां भी रहते हैं और जो भी करते हैं वो सुर्खियां बन ही जाता है। ऐसा वो क्यों करते हैं। क्या ये मनवाने के लिए कि भले ही राजा महाराजाओं के दिन लद चुके हों। डेमोक्रेसी जिंदाबाद के नारे लगते हों, लेकिन महाराज तो वो अब भी हैं। या फिर वो ऐसे किसी भी घटनाक्रम से अनजान रहते हैं, लेकिन मक्खन लगाने के लिए उनके समर्थक ऐसा कुछ कर जाते हैं कि महाराज की तरफ उंगलियां उठ जाती हैं। ताजे मामले कुछ ऐसे ही हैं। इत्तेफाक देखिए कि सिंधिया के प्रदेश दौरे के दौरान एक कार्यक्रम को लेकर तीन अलग-अलग विवाद खड़े हो गए। पहला विवाद ये कि सिंधिया ने उस जगह का दोबारा लोकार्पण कर दिया जिसका पहले सीएम मोहन यादव लोकार्पण कर चुके थे।

सिंधिया का लोकार्पण : चूक या राजनीति?'

मामला अशोक नगर से जुड़ा है। चार दिन के दौरे के दौरान सिंधिया ने अशोक नगर पिपरई मार्ग पर बने नदी पुल और कजराई पंचायत के नए भवन का लोकार्पण किया। दोनों की लागत 7 करोड़ से ज्यादा है। लोकार्पण के साथ ही इसे क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात के रूप में पेश भी किया गया। मजाक तो तब बना जब ये पता चला कि खुद सीएम मोहन यादव इसका लोकार्पण कर चुके थे। आठ मार्च को सीएम मोहन यादव करीला धाम गए थे। वहां उन्होंने 115 करोड़ 35 लाख के विकास कार्यों का डिजिटल लोकार्पण किया था। उन कार्यों की फेहरिस्त में ये दोनों कार्य भी शामिल थे। इससे भी बड़ा मजाक देखिए कि उस समय सीएम के साथ मंच पर पूर्व सांसद केपी यादव मौजूद थे। एक कार्यक्रम का दो बार लोकार्पण कैसे हो सकता है। ये घटना कई सवाल या यूं कहें कि चूक की तरफ इशारा करती है।

सिंधिया की राजनीति : क्रेडिट या चूक?

ये चूक किस स्तर पर हुई है। शासन, प्रशासन या फिर सिंधिया तंत्र के स्तर पर। या ये केवल क्रेडिट लेने की होड़ है। जो कांग्रेस की परंपरा रही है। पार्टी लेवल पर काम भले ही हो चुका हो, लेकिन ये बताना भी जरूरी है कि काम तो सांसद ने करवाए हैं। क्या इसी सोच के साथ सिंधिया बीजेपी में रह कर एक अलग लकीर खींचने की फिर से कोशिश कर रहे हैं. घटना छोटी सी कही जा सकती है। लेकिन पार्टी विद डिफरेंस और पार्टी विद डिसिप्लीन की डींगे हांकने वाली बीजेपी के लिए ये एक गंभीर घटना है। इसी कार्यक्रम से जुड़ी दो विवाद और हैं। उन्हें भी जल्दी से बता देता हूं।

सिंधिया की पुरानी सियासी आदतें

तीसरे मामले को हम भी अभी छोड़ देते हैं और बात दो मामलों की करते हैं। जो ये इशारा कर रही है कि सिंधिया ने पार्टी भले ही बदली है, लेकिन पुरानी सियासी आदतें अब भी नहीं छोड़ पाए हैं। जो बार-बार सवाल खड़े कर देती है। आप खुद ही याद करके देखिए। पिछले चुनाव से लेकर अब तक आपने कितने कार्यक्रम ऐसे देखे हैं जिसमें सीएम मोहन यादव और सिंधिया एक साथ एक मंच पर नजर आए हैं। जबकि शिवराज के सीएम रहते सिंधिया कार्यक्रमों में उनकी बराबरी से नजर आते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होता। क्या पार्टी ने उनके दौरे सीमित कर दिए हैं या फिर सीएम और सिंधिया के बीच सबकुछ सामान्य नहीं है।

सिंधिया समर्थकों के लिए पदों की जंग

निगम मंडलों की लिस्ट को लेकर भी ऐसी ही खबरें आ रही हैं। इसलिए सवालों को वाजिब कहा ही जा सकता है। बीजेपी ने जयभान सिंह पवैया को वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाया है। ये भी इसी बात का संकेत है कि सिंधिया विरोधियों को बीजेपी में नई लाइफलाइन दी जा रही है।

खबरें ये भी हैं कि सिंधिया की जिद की वजह से ही निगम आयोग में नियुक्ति की बात आगे नहीं बढ़ पा रही है। सिंधिया अपने पांच समर्थक इमरती देवी, महेंद्र सिंह सिसोदिया, ओपीएस भदौरिया, गिरीराज दंडोतिया और मुन्ना लाल गोयल के लिए पद चाहते हैं। अंदर की खबर ये है कि पार्टी तीन नामों पर सहमत है, लेकिन दो नामों पर असहमति बनी हुई है। इसलिए लिस्ट अटकी है। इससे उलट 2021 में 25 निगम मंडलों में सिंधिया समर्थक काबिज थे। उस वक्त सिंधिया और उनके समर्थक नए नए पार्टी का हिस्सा बने थे। इसलिए उन्हें फाइव स्टार ट्रीटमेंट भी दिया जा रहा था। शायद इसलिए इतने पद दिए गए थे।

सिंधिया की धाक लिस्ट बताएगी!

सिंधिया को लेकर सवाल तो कई हैं। अब उनकी धाक कितनी बची है। इसका अंदाजा निगम मंडलों की लिस्ट के साथ ही हो सकेगा। देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी भी महाराज को सिर आंखों पर बिठाती है या फिर आम मंत्री या सांसद की तरह ही उनके साथ पेश आती है।

सिंधिया को 'श्रीमंत महाराज' क्यों?

अशोक नगर के ही कार्यक्रम के लिए एसडीएम ऑफिस से एक निमंत्रण पत्र जारी हुआ। इस निमंत्रण पत्र में सिंधिया के नाम के आगे श्रीमंत महाराज लिखा गया। इस पर नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष रीतेश जैन ने आपत्ति जताई और इसे संविधान की भावना के विपरीत बताया। उन्होंने अधिकारियों पर चाटुकारिता का आरोप भी लगाया। बात तो सही है एक सरकारी दस्तावेज में श्रीमंत महाराज जैसे शब्द का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है। वो भी एक जनप्रतिनिधि के लिए जिसे जनता ने चुनकर सदन में भेजा है।

संगठन सृजन अभियान का फीडबैक लेने कांग्रेस के वरिष्ठ भी उतरेंगे

नेताओं को जिलेवार मिलेगी जिम्मेदारी, ब्लाकवार सम्मेलन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान पूर्णता की ओर है। जिला, ब्लाक और मंडलम स्तर तक इकाइयों का गठन किया जा चुका है। एससी, एसटी विभाग के साथ महिला और युवा कांग्रेस की टीम भी बन चुकी है। अब पार्टी अपने सभी वरिष्ठ नेताओं को मैदान में उतारकर फीडबैक लेने के साथ कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने का काम करेगी। इसके लिए जिलेवार जिम्मेदारी निर्धारित होगी। ये वहां पर ब्लाकवार सम्मेलन भी करेंगे। प्रदेश में पिछले एक साल से यह अभियान चलाया जा रहा है। केंद्रीय पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट पर जिला अध्यक्ष बनाए गए और जिले के सभी वरिष्ठ नेताओं के बीच समन्वय बनाकर ब्लाक अध्यक्षों की नियुक्ति की। अब पार्टी ने तय किया है कि इस अभियान का फीडबैक वरिष्ठ नेताओं को जिलों में भेजकर लिया जाए। इसमें यह भी पता चल जाएगा कि नई टीम को लेकर कहीं कोई असंतोष तो नहीं है। यदि कुछ संशोधन करने की आवश्यकता है तो वह आधार और कारण के साथ प्रदेश इकाई को पता चले। वरिष्ठ नेताओं से कहा गया है कि वे अपनी सुविधा के अनुसार दो तीन जिलों के नाम बता दें, जहां वे जाना चाहते हैं। इसके बाद शेष जिलों के लिए प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों को अधिकृत कर दिया जाएगा। वरिष्ठ नेताओं के दौरे के बाद जिला और विधानसभा प्रभारी की जिम्मेदारी होगी कि वे प्रतिमाह जिले में गठित सभी इकाइयों के कामकाज की समीक्षा कर रिपोर्ट भेजें। प्रदेश संगठन महासचिव संजय कामले का कहना है कि पहले भोपाल में ब्लाक कांग्रेस का सम्मेलन होगा। इसमें इनकी भूमिका पर चर्चा होगी और फिर जिलों में वरिष्ठ नेताओं को भेजा जाएगा। दिग्विजय के बाद अजय सिंह सक्रिय, अरुण यादव संगठन सृजन में लगे हुए हैं।

प्रदेश के 5.40 करोड़ लोगों को अगले माह से नहीं मिलेगा फोर्टिफाइड राइस

आईआईटी खड़गपुर की रिपोर्ट, लोग धोकर बहा देते हैं पोषक तत्व

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ●प्रदेश में पीडीएस के तहत 5.40 करोड़ हितग्राहियों को अब अगले माह से पोषण युक्त फोर्टिफाइड राइस नहीं मिलेगा। इसकी मुख्य वजह है कि हितग्राही चावल में मिले पोषक तत्वों को भूसा, कचरा समझकर उसे पकाने से पहले ही पानी में बहा देते हैं। यही कारण है कि प्रदेश में कुपोषण की स्थिति में जिस तेजी से सुधार आना चाहिए, उस हिसाब से नहीं आ रहा है। सरकार फोर्टिफाइड राइस तैयार करने में प्रति वर्ष करीब दो सौ करोड़ रुपए खर्च करती है। प्रदेश में फोर्टिफाइड राइस वितरण का काम वर्ष 2023 में शुरू हुआ था। यह परियोजना भारत सरकार की थी। भारत सरकार ने देश के 15 राज्यों के एक-एक जिले में इसे लागू किया है। इसके बाद केंद्र सरकार ने सभी जिलों में इस परियोजना को लागू कर दिया। इस संबंध में खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

- 200 करोड़ रुपए हर साल खर्च होते थे पोषक तत्व मिलाने पर
- 174 केंद्र सरकार इस स्कीम करोड़ रु. में खर्च करती थी
- 25% राज्य सरकार को राशि मिलानी होती थी
- 73 पैसे एक किलो चावल के फोर्टिफिकेशन पर खर्च
- 75% राशि केंद्र सरकार को और शेष राशि राज्य सरकार को देनी होती थी

केंद्र ने आईआईटी खड़गपुर से कराया था अध्ययन

परियोजना लागू होने के बाद केंद्र सरकार ने आईआईटी खड़गपुर, भारतीय चिकित्सा एवं अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय पोषण संस्थान से अध्ययन कराया। रिपोर्ट में संस्थान ने बताया कि हितग्राही पकाने से पहले चावल धोने के लिए पानी डाल देते हैं। पानी डालते ही ऊपर तैरते हुए फोर्टिफाइड इस (फोर्टिफाइड राइस कर्नेल) को भूसा, कचरा और दूषित पदार्थ समझकर पानी में बहा देते हैं।

शहर में जल संकट की आहट | **पलासिया सहित कई इलाकों में अभी भी गंदे पानी की शिकायत कायम**

नर्मदा सप्लाई घटी : बोरिंग सूखे, टैंकर से पानी लेना महंगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में जल संकट अब गहराने लगा है। एक ओर नलों में गंदे पानी की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं, वहीं दूसरी ओर नर्मदा जल प्रदाय का समय घटने और प्रेशर कम होने से हालात और बिगड़ गए हैं। शहर के कई इलाकों में लोग पीने के पानी के साथ ही उपयोग में आने वाले पानी को लेकर परेशान होने लगे हैं। न्यू पलासिया क्षेत्र में भी लगातार गंदे पानी की शिकायत रहवासी कर रहे हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि अधिकांश घरों में नल सीधे टंकियों से जुड़े हैं। ऐसे में सप्लाई शुरू होते ही गंदा पानी टंकियों में चला जाता है, इससे बाद में आने वाला साफ पानी भी दूषित हो जाता है। इस कारण लोगों को टंकियों की सफाई बार-बार कराना पड़ती है।

निगम की सख्ती के बाद भी बनी हुई गंदे पानी की समस्या: शहर के अन्य इलाकों से भी गंदे पानी की शिकायतें सामने आ रही हैं। रहवासियों का कहना है कि सुबह पानी आने पर पहले गंदा पानी आता है, जिससे उपयोग करना मुश्किल हो जाता है और स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। लोगों ने स्थानीय पार्षद और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की है। भागीरथपुरा घटना के बाद शिकायत का समाधान तो किया जा रहा है, लेकिन समस्या पूरी तरह से समाप्त नहीं हो रही है। शहर के कई इलाकों में वर्षों पुरानी नर्मदा की लाइन के साथ ही ड्रेनेज की लाइन डली हुई है।। इस कारण नर्मदा लाइन और ड्रेनेज लाइन में लीकेज के कारण गंदा पानी सप्लाई में मिल रहा है। न्यू पलासिया में नई पाइपलाइन डाले जाने के बावजूद अब तक घरों को उससे कनेक्शन नहीं दिए गए हैं और वर्षों पुरानी लीकेज वाली लाइनों से ही पानी की सप्लाई जारी है। बताया जा रहा है कि कनेक्शन देने वाला ठेकेदार काम अधूरा छोड़कर चला गया, जबकि नए ठेकेदार को अब तक जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है।

निजी जल स्त्रोत छोड़ रहे साथ- उधर, पूरे शहर में नर्मदा जल सप्लाई का समय कम कर दिया गया है और प्रेशर भी घट गया है। इसका सबसे ज्यादा असर ऊंचाई वाले इलाकों और बहुमंजिला इमारतों पर पड़ रहा है, जहां पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा। जल संकट को और गंभीर बनाने वाली स्थिति यह है कि शहर के कई इलाकों में निजी बोरिंग सूख चुके हैं या उनका जलस्तर काफी नीचे चला गया है। भूजल स्तर में गिरावट के चलते

अब निजी जल स्रोत भी भरोसेमंद नहीं रहे। इन हालातों का फायदा निजी टैंकर संचालक उठा रहे हैं। शहर में पानी के टैंकरों की मांग बढ़ते ही उनके दामों में भी भारी इजाफा हो गया है। जहां पहले एक टैंकर 500-700 रुपये में मिल जाता था, वहीं अब इसके लिए 800-1000 रुपये या उससे अधिक तक चुकाने पड़ रहे हैं। रहवासियों का आरोप है कि प्रशासन की ओर से ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। शहरवासियों ने मांग की है कि जल प्रदाय व्यवस्था में सुधार, लीकेज की तत्काल मरम्मत, नई लाइनों से कनेक्शन और टैंकर दरों पर नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

नर्मदा के टैंकरों पर पार्षद के पट्ठों का कब्जा

वहीं नगर निगम द्वारा शहर में जलसंकट को देखते हुए शहरभर में नर्मदा पानी के अतिरिक्त टैंकर से भी पानी सप्लाई किया जाता है, लेकिन इसके वितरण में पारदर्शिता नहीं होने के कारण आम लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। इन टैंकरों पर पार्षद के प ?ट्ठों का कब्जा रहता है। इनकी मर्जी से ही टैंकर पानी सप्लाई करते हैं। कई इलाकों में तो यह देखने में आ रहा है कि जहां नर्मदा लाइन से पानी सप्लाई हुआ है, कुछ देर बाद टैंकर से भी पानी सप्लाई किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर इसी क्षेत्र में कई इलाके ऐसे रह जाते हैं, जहां नर्मदा का पानी बहुत कम प्रेशर से और कम समय आता और टैंकर से भी पानी सप्लाई नहीं हो रहा है।

न्यूज ब्रीफ

शासन के नियमों के अनुरूप संचालित है सशुल्क ओपीडी व्यवस्था

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर के सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय में पेड ओपीडी के संबंध में एक प्रमुख दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित भ्रामक खबर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. डी. के. शर्मा ने स्पष्ट रूप से वस्तुस्थिति सामने रखी है। उन्होंने बताया कि सशुल्क ओपीडी व्यवस्था पूर्णतः मध्य प्रदेश सुपरस्पेशिलिटी आदर्श सेवा नियम 2018 के प्रावधानों के अनुरूप 01 अप्रैल से संचालित की जा रही है। डॉ. शर्मा ने कहा कि शासन के नियमों का पालन करना सभी चिकित्सकों के लिए अनिवार्य है, इसमें किसी की व्यक्तिगत सहमति या असहमति का कोई प्रश्न नहीं उठता। यह महत्वाकांक्षी योजना 1 अप्रैल से लागू की गई है, किन्तु बीच में अवकाश के कारण केवल तीन दिनों की रिपोर्ट के आधार पर व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह लगाना उचित नहीं है।

सोलरस्क्वेयर ने इंदौर में लॉन्च किया एक्सपीरियंस सेंटर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • देश की अग्रणी रूफटॉप सोलर कंपनी सोलरस्क्वेयर ने इंदौर में अपना पहला सोलर एक्सपीरियंस सेंटर शुरू किया है। यह सेंटर शहर में तेजी से बढ़ रहे रूफटॉप सोलर बाजार के बीच एक बड़ा कदम माना जा रहा है। कंपनी का कहना है कि इस पहल से स्थानीय परिवारों के लिए सोलर अपनाना अब पहले से ज्यादा आसान, पारदर्शी और भरोसेमंद होगा। इंदौर में सोलर की मांग लगातार बढ़ रही है, लेकिन लोगों में जानकारी की कमी और भरोसे की समस्या अब भी बड़ी बाधा बनी हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह सेंटर तैयार किया गया है, जहां लोग सोलर सिस्टम को करीब से देख और समझ सकते हैं। इसका उद्देश्य लोगों की जिज्ञासा को विश्वास में बदलना और उन्हें साफ ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बंद की गोआ उड़ान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर से गोआ के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर नहीं है। दरसअल एयर इंडिया एक्सप्रेस ने इंदौर-गोआ के बीच संचालित अपनी नियमित उड़ान को बंद कर दिया है। इससे यात्रियों के पास एक प्रमुख विकल्प कम हो गया है और अब इस मार्ग पर केवल इंडिगो की एक ही नियमित उड़ान बची है। एजेंटों का कहना है कि यह निणर्य समझ से परे है। गोआ इन दिनों पूरे साल का डेस्टिनेशन हो गया है। लोग पूरे साल गोआ जाते हैं। अब इंडिगों की फिर से इस रूट पर मोनोपाली हो जाएगी। जानकारी के अनुसार एयरलाइन ने हाल ही में समर शेड्यूल में बदलाव करते हुए गोआ की उड़ान बंद कर दी है और इसके स्थान पर बेंगलुरु के लिए नई उड़ान शुरू की है। पहले एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान सुबह 10:55 बजे इंदौर से रवाना होकर 12:30 बजे गोआ पहुंचती थी, वहीं वापसी में यह उड़ान दोपहर 1:05 बजे गोआ से उड़ान भरकर 2:30 बजे इंदौर पहुंचती थी। अब कंपनी ने इस सेवा को बंद कर दिया है।

टीएल बैठक में फायर सेफ्टी, ट्रैफिक और जनसेवा पर कलेक्टर सख्त

किताबों-स्टेशनरी व यूनिफॉर्म में दुकानदारों की मनमानी नहीं चलेगी

इस संबंध में हेल्पलाइन पर की जा सकती है शिकायत, राजस्व अभियान की अवधि 10 दिनों के लिए बढ़ी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक आयोजित हुई, जिसमें सीएम हेल्पलाइन, राजस्व प्रकरणों और शहरी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक में फायर सेफ्टी, ट्रैफिक प्रबंधन, बेसमेंट पार्किंग और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए सख्त निर्देश जारी किए गए।

अभिभावक सीधे शिकायत दर्ज करा सकेंगे: कलेक्टर वर्मा ने कहा कि स्कूलों में किताबों और स्टेशनरी के नाम पर अधिक कीमत वसूली या जबरन खरीद की शिकायतों को लेकर प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। इस हेल्पलाइन नम्बर 0731-2471117 पर अभिभावक सीधे शिकायत दर्ज करा सकेंगे। यह हेल्पलाईन कार्यालयीन समय में कार्यरत रहेगी। शिकायत मिलने पर शिक्षा विभाग की टीम तुरंत जांच कर कार्रवाई करेगी। उक्त हेल्पलाइन पर अन्य शिकायतें भी कार्यालयीन समय में दर्ज कराई जा सकती है।

फायर सेफ्टी पर प्रशासन सख्त: कलेक्टर वर्मा ने कहा कि शहर की जी +3 कमर्शियल बिल्डिंग्स, जहां अधिक भीड़ रहती है, वहां अनिवार्य रूप से फायर सेफ्टी सिस्टम, उपकरण और मॉक ड्रिल की व्यवस्था होनी चाहिए। इस संबंध में आम सूचना जारी होने के बाद 15 दिन की अवधि लगभग समाप्त हो रही है।

1 अप्रैल 2026 को प्रकाशित खबर

भैया स्टोर्स पर नामी स्कूलों के सेट खुलेआम, प्रशासन के आदेश हवा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के खजूरी बाजार में शिक्षा के नाम पर चल रहे खेल की एक और परत सामने आई है। यहां स्थित भैया स्टोर्स पर नामी निजी स्कूलों के पूरे-पूरे बुक सेट 'रेडीमेड' उपलब्ध कराए जा रहे हैं- वह भी खुलेआम।

सेट तैयार, विकल्प खत्म- दुकान पर अलग-अलग स्कूलों के नाम से बंधे सेट पहले से तैयार रखे गए हैं। अभिभावकों को यही सेट लेने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे 'तीन दुकानों से खरीद' वाला नियम पूरी तरह बेअसर हो जाता है। गौरतलब है कि जिला प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार स्कूल द्वारा चयनित पुस्तकें न्यूनतम तीन दुकानों पर उपलब्ध होना आवश्यक है लेकिन किताबों के

स्कूल-दुकानदार गठजोड़ के संकेत- जिस तरह से अलग-अलग स्कूलों के सेट एक ही दुकान पर उपलब्ध हैं, उससे स्कूल प्रबंधन और दुकानदार के बीच सांठगांठ की आशंका और गहरी हो जाती है। सवाल यह भी है कि जब किताबें तय दुकान पर ही

हमें भी एक दो जगह की शिकायत मिली है। हम इसको दिखवाते है। कलेक्टर सर द्वारा जारी गाइडलाइन का सख्ती से पालन होगा। - डॉ शांतास्वामी भार्गव, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला इंदौर

इसके बाद जांच में कमी मिलने पर बिल्डिंग सील की जाएगी। बिल्डिंग बायलॉज के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण, नोटिस और फायर ड्रिल कराई जा रही है, ताकि आपदा की स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके।

आमजन की समस्याओं की सीधी सुनवाई, लापरवाही पर अधिकारियों पर जुर्माना: कलेक्टर शिवम वर्मा ने बैठक में एक अभिनव पहल करते हुए आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं समाधानपरक निराकरण के लिए आवेदकों को सीधे बुलाकर समक्ष में सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के तहत लंबित पांच प्रकरणों के आवेदकों को बुलाकर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में बताया गया कि इंदौर जिले में राजस्व प्रकरणों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। राजस्व विभाग का पोर्टल बंद रहने के कारण अभियान की अवधि आगामी 10 दिन बढ़ाई गई है। इस अभियान की पूर्व में 31 मार्च अंतिम तिथि थी। बैठक में बताया गया कि अभियान के अंतर्गत लंबित राजस्व प्रकरणों का तेजी से निराकरण सुनिश्चित किया गया है फलस्वरूप लंबित प्रकरणों में कमी आई है। बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि जिले में राजस्व प्रकरणों के निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी। अब तहसीलों की मासिक रैंकिंग भी की जाएगी, ताकि राजस्व प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण और समय सीमा में निराकरण में प्रतिस्पर्धा बढ़े।

आयुष्मान योजना में मानकों का पालन जरूरी-बैठक में बताया गया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत मानकों का पालन नहीं करने पर 30 अस्पतालों को पैनल से बाहर किया गया है। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि सभी अस्पतालों को निर्धारित मापदंडों का पालन करना अनिवार्य है, ताकि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

भाजपा का स्थापना दिवस : भाजपा कार्यालय पर ध्वजारोहण कर मिठाई बांटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा- सुमित मिश्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भारतीय जनता पार्टी के 47 वें स्थापना दिवस पर आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय भवन, जावरा कंपाउंड, भाजपा कार्यालय पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, वरिष्ठ नेता सत्यनारायण जटिया, नारायण सिंह केसरी, बाबुसिंह रघुवंशी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, सुदर्शन गुप्ता की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नारायण सिंह केसरी और बाबुसिंह रघुवंशी ने पार्टी कार्यालय के समक्ष ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात वंदे मातरम का सामुहिक गान हुआ। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कार्यकर्ताओं को लड्डू खिलाकर स्थापना दिवस की बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने भी एक दूसरे को लड्डू खिलाकर शुभकामनाएं दी। उसके पश्चात कार्यकर्ताओं ने कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल जी की उपस्थिति में भोपाल में आयोजित 14 जिलों के नवीन कार्यालयों के भूमिपूजन कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा और उनके संबोधन को सुना।

इस अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि पार्टी की शुरूवात एक विचारधारा का प्रवाह है जनसंघ के समय से लेकर, जनसंघ के समय जिन सिद्धांतों के आधार पर यह दल बना, उन सिद्धांतों से हमने कभी समझौता नहीं किया आवश्यकता पड़ी तो सत्ता को ठोकर भी मारी, पर सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। मुझे गर्व होता है कि आज भी हम उन्हीं सिद्धांतों के अनुरूप देश को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पितृ पुरुष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान पहला बलिदान था देश की एकता और अखंडता के लिए जब धारा 370 लगी थी तब उन्होंने कहा था कि एक देश में दो प्रधान- दो विधान नहीं चलेंगे, भारतीय जनसंघ से लेकर जनता पार्टी तक, जनता पार्टी से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक कभी हमने धारा 370 का समर्थन नहीं किया।

बोर्ड परीक्षा के अंतिम चरण का मूल्यांकन कार्य समाप्त

मुख्य परीक्षक, उपमुख्य परीक्षक एवं मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों के बिल बनाने का कार्य भी अंतिम चरण में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा का अंतिम चरण का मूल्यांकन कार्य संपन्न हुआ। समापन पर हिंदी शिक्षकों के मूल्यांकन कर्ता टीम ने एक शानदार पार्टी का आयोजन किया। मुख्य अतिथि जॉइंट डायरेक्टर एजुकेशन श्रीमती अनीता चौहान तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डीईओ डॉ शांता स्वामी भार्गव ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रख्यात मंच संचालक वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती सुनयना शर्मा सहित मुख्य परीक्षक प्राचार्य श्री एस एन कोगे व श्री प्रभाकर शुक्ला उपस्थित थे।

बोर्ड परीक्षा के उप मुख्य परीक्षक एवं शिक्षक संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार ने बताया कि शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्य में अतिरिक्त समय देकर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ शांता स्वामी भार्गव एवं जिला मूल्यांकन अधिकारी मालव कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल प्राचार्य श्रीमती बबीता हयारण दुबे द्वारा दिए गए समय अवधि में अंतिम चरण के मूल्यांकन कर्ता शिक्षकों ने इसे टास्क समझकर मूल्यांकन कार्य पूर्ण किया। मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों के परिश्रमिक बिल बनाने का कार्य भी मंगलवार को समाप्त हो जाएगा।

मुख्य परीक्षक एवं प्राचार्य एस एन कोगे एवं प्रभाकर शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन में सभी शिक्षकों ने तय गाइड लाइन के मुताबिक मूल्यांकन कार्य संपन्न करवाया।

इस अवसर पर मूल्यांकन टीम से वीर मिश्रा, मनोज दुबे, दमन सिंह पाल, स्वाति भावसार सहित व्याख्याता श्रीमती भारती शर्मा,श्रीमती अंजना चौहान,सुरेश जाटव, सुरेश उजले,श्रीमती पूर्णिमा अवस्थी, श्रीमती रानू चौहान, मुरलीधर पाटीदार, आशाराम कर्मा, जगदीश जोशी, श्रीमती मनाली सिंह, अकरम खान, डॉ विजय लक्ष्मी पांडेय,श्रीमती सीता मोरे, श्रीमती मयूरी जैन, दिनेश अग्रावत, श्रीमती भावना ठाकुर, श्रीमती वंदना पाटीदार, श्रीमती विनीता शर्मा, आशीष मारु, श्रीमती जसबीर सलूजा, श्रीमती विनीता खाबिया, श्रीमती नेहा चंदेल, श्रीमती रुचिता छिरोल्या,श्रीमती प्रेमलता राठौर, श्रीमती कृष्णा वर्मा, श्रीमती पुष्पा मंडलोई प्रकाश नेकिये,आदि उपस्थित थे।

डिप्टी और हेड का पारिश्रमिक बढ़ाने की मांग-उप मुख्य परीक्षक श्री दिनेश परमार ने कार्यक्रम के दौरान संचालन करते हुए मुख्य परीक्षक (हेड) एवं उप मुख्य परिक्षकों (डिप्टी) का परिश्रमिक बढ़ाने की मांग जिला शिक्षा अधिकारी डॉ शांता स्वामी भार्गव एवं जॉइंट डायरेक्टर एजुकेशन इंदौर संभाग श्रीमती अनीता चौहान के समक्ष रखी। अधिकारियों ने बोर्ड ऑफिस तक बात पहुंचाने का आश्वाशन दिया।

भगवा झंडे कचरे में मिलने से बवाल, 2 घंटे चक्का जाम

बजरंग दल का प्रदर्शन, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर के राऊ थाना क्षेत्र में स्थित सेंट नॉर्बर्ट स्कूल के सामने सोमवार को हिंदू आस्था से जुड़ी भावनाओं को आहत करने वाली घटना सामने आने के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार सड़क किनारे पड़े कचरे में बड़ी संख्या में भगवा झंडे फेंके हुए मिले, जिन्हें देखकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। घटना की खबर फैलते ही आसपास के नागरिक बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए और विरोध शुरू हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह क्षेत्र के लोगों ने कचरे के ढेर में भगवा झंडे पड़े देखे, जिसके बाद यह सूचना तेजी से आसपास के इलाकों में फैल गई। कुछ ही देर में बजरंग दल

के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और इस घटना को हिंदू आस्था के अपमान से जोड़ते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिसके कारण करीब दो घंटे तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

देपालपुर वार्ड 10 में नाली निर्माण की जगह खुला नाला बना दिया

खुले पड़े नाले से रहवासि परेशान कचरा भी भरा पड़ा

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

मामला देपालपुर नगर के वार्ड क्रमांक 10 का जहां नाली निर्माण कार्य को लेकर नालियों की खुदाई की गई थी, आधी दूरी पर नाली निर्माण का कार्य भी हो चुका है। लेकिन कई दिनों से अधूरे नाली निर्माण के लिए वार्ड 10 की जनता नगर परिषद के चक्कर खा रही है, लेकिन अब तक निर्माण कार्य चालू नहीं किया गया खोदी गई, नाली ने धीरे-धीरे नाले का रूप लेलिया और अब वहां गंदा पानी कचरा भरा पड़ा रहता है। आम जनता को लगातार गंदगी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कई बार जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधियों को भी अवगत कराया लेकिन अब तक कोई निर्माण कार्य चालू नहीं किया गया गर्मी का समय है मच्छरों का प्रकोप है इतना ही नहीं नलों में से गंदा और दूषित पानी आने लगा आम जनता ने जब घरों में पानी भरा तो काला पानी देखने को मिला वार्ड 10 की जनता में भारी आक्रोश देखने को मिला समय रहते हैं। काम चालू नहीं किया तो उग्र आंदोलन भी हो सकता है यह दूषित पानी इंदौर के भागीरथ पुरा की घटना को याद दिला रहा है आम जनता में भय का माहौल बना हुआ है। कही यह घटना देपालपुर में घटित ना हो जाए वार्ड 10 की जनता ने अपील की है समय रहते हैं नाली निर्माण का काम पूरा किया जाए नहीं तो इस मामले की शिकायत एसडीएम से लेकर कलेक्टर तक की जाएगी। देपालपुर को स्वच्छता में नंबर वन बनाने को लेकर महापौर पुष्पमित्र भार्गव लगातार प्रयास कर रहे हैं कहीं बार उन्होंने देपालपुर के दौरे भी किए कहीं आधुनिक संसाधन देपालपुर नगर परिषद को उपलब्ध भी कराए लेकिन एक छोटा सा नाली निर्माण का कार्य सब किए कराए पर पानी फेर रहा है।

एचपीवी टीकाकरण पर उठे सवाल, जवाबदेही की मांग

स्वास्थ्य अधिकारी मंच ने जताई आपत्ति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • एचपीवी टीकाकरण अभियान को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। स्वास्थ्य अधिकार मंच ने केंद्र सरकार से इस अभियान में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की है। मंच ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर अभियान की समीक्षा होने तक इसे रोकने की अपील की है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 28 फरवरी 2026 से देशभर में 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया है। इसके तहत 'गार्डासिल' नामक वैक्सीन दी जा रही है, जो सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए उपयोगी मानी जाती है। पुराने विवादों का हवाला, जवाबदेही पर सवाल:

मंच ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि पहले भी इस वैक्सीन को लेकर सहमति और परीक्षण प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं के मामले सामने आ चुके हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद से जुड़े मुद्दों और 2013 की संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि पूर्व में हुए परीक्षणों में नियमों के उल्लंघन की बात सामने आई थी। स्वास्थ्य अधिकार मंच ने मांग की है कि मौजूदा अभियान को 'फेज-4 क्लिनिकल ट्रायल' के रूप में मान्यता दी जाए और इससे जुड़े सभी नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, जिन बालिकाओं का टीकाकरण हो चुका है, उनके अभिभावकों से दोबारा संपर्क कर उन्हें सहमति पत्र की प्रति उपलब्ध कराई जाए और अतिरिक्त सूचित सहमति भी ली जाए। मंच ने स्पष्ट किया है कि जब तक इन सभी बिंदुओं की समीक्षा कर उचित कदम नहीं उठाए जाते, तब तक इस टीकाकरण अभियान को रोका जाना चाहिए।

जवाहर मार्ग पर सुबह से शाम तक लगता रहा जाम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सोमवार को सुबह से शाम तक जवाहर मार्ग पर जाम की स्थिति देखी गई। खास तौर पर नंदलालपुरा चौराहे से गुरुद्वारा चौक तक लोगों का निकलना मुश्किल हो गया। इस बीच दोपहर में एक राजमोहल्ला की ओर से आ रही एक एंबुलेंस ट्रैफिक में फंस गई, और काफी मशक्कत के बाद वह निकल सकी। तब तक मरीज की जान सांसत में बनी रही। जवाहर मार्ग पर आए दिन ट्रैफिक जाम लगता रहता है। नंदलालपुरा चौराहे पर कुछ समय पहले पटेल ब्रिज की ओर जाने वाली दिशा पर सिग्नल भी लगा दिया था, लेकिन फिर भी लोग सिग्नल देख कर भी रुकते नहीं है। इसलिए आए दिन यहां पर जाम की स्थिति बनती रहती है। सोमवार को भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। दोपहर 1 बजे के लगभग नंदलालपुरा चौराहे पर लंबा जाम दिखाई दिया। लोग गली-कूचों से निकलने की कोशिश करते नजर आए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 07 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

हनुमान जी की हुई महाआरती लगा छप्पन भोग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रघुनाथपुरम चौराहे पर राम लक्ष्मण सेवा संस्थान द्वारा हनुमान जन्मोत्सव आयोजित किया जिसमें हनुमान जी को 56 भोग लगा महाआरती हुई। हजारों भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण की। आयोजन प्रमुख धीरज पिपले,अमित पिपले, विशाल पिपले ने बताया कि समिति द्वारा महोत्सव में पितृरेश्वर हनुमानजी की मूर्ति विराजित की। पृथ्वीराज उस्ताद ने महाआरती की, 56 प्रकारों के पकवानों से छप्पन भोग लगा। हजारों भक्तों ने महा प्रसादी ग्रहण की। भजन संध्या आयोजित हुई जिसमें भजन गायक नितिन बागवान के भजनों पर भक्त थिरके। आयोजन में विधायक गोलू शुक्ला, भाजपा प्रदेश महामंत्री गौरव रणदीवे सम्मिलित हुए।

रमेश अग्रवाल की पुण्य स्मृति में 12 को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जीवन पर्यन्त सामाजिक और धार्मिक सेवा प्रकल्पों में स्वयं अग्रणी रहकर समूचे वैश्य घटकों को भी धर्म और समाज से जोड़ने और संतों का हमेशा सम्मान करने वाले ब्रह्मलीन समाजसेवी रमेशचंद्र अग्रवाल की नौंवीं पुण्यतिथि के अवसर पर 12 अप्रैल को एबी रोड स्थित माहेश्वरी मांगलिक भवन (चिड़ियाघर के सामने) पर शहर के सभी प्रमुख धर्मस्थलों के संत-महंत, आचार्य एवं महामंडलेश्वर भी अपना पावन सानिध्य प्रदान कर उनके चित्र पर पुष्पांजलि समर्पित कर दिनेश-राज मित्तल फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किए जाने वाले निशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का शुभारंभ करेंगे। सोमवार को छत्रीबाग रामद्वारा पहुंच कर म. प्र. वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री अरविंद बागड़ी, समाजसेवी हरि अग्रवाल, राजेश इंजीनियर एवं अभिषेक मित्तल ने उन्हें स्वास्थ्य शिविर के शुभारंभ का न्यौता दिया तो जगदगुरु ने कृपापूर्वक सहमति प्रदान की बल्कि आयोजन की सफलता के लिए अपने मंगलाशीष भी प्रदान किए।

कॉपी-किताबों के रेट 20% बढ़ेंगे, तेल की कीमतें भी चढ़ीं

भोपाल (एजेंसी) ● मध्यम वर्ग की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। सरकार पहले ही बिजली और रसोई गैस के दाम बढ़ा चुकी है, अब हालात ये हैं कि तेल 40 रुपए और घी 30 रुपए प्रति लीटर तक महंगा हो गया है। सीधा असर हमारे घर के बजट पर पड़ा है, जो15 प्रतिशत तक बढ़ गया है।

सुभाष नगर निवासी सुभाष कीर का। वे स्थानीय मंडी में राशन खरीदने पहुंचे तो बढ़ती कीमतों से झटका लगा। उन्होंने बताया कि कीमतें देखकर लिस्ट से कुछ सामान लेने का इरादा छोड़ दिया।

इन दिनों ये कहानी सिर्फ सुभाष कीर की नहीं है। मध्यम वर्ग के हर परिवार का बजट ईरान-इजराइल जंग और बिजली, गैस के दाम बढ़ने के कारण बिगड़ रहा है। करीब 15 प्रतिशत मासिक बढ़त तक ये पहुंच चुका है। युद्ध की आग से मिडिल क्लास का परिवार झुलस रहा और रसोई गैस, बिजली की बढ़ी कीमतें दोहरी मार दे रहीं।

युद्ध से शिपिंग और ट्रांसपोर्ट महंगा हो गया है। जहाज का खर्च बढ़ा है। ट्रकों का डीजल महंगा हुआ है। भारत सरसों तेल खुद बनाता है, लेकिन रिफाइंड ऑयल (सोयाबीन, पाम ऑयल) का बड़ा हिस्सा आयात होता है

ये आयात इंडोनेशिया, मलेशिया, अर्जेंटीना जैसे देशों से आता है। जब शिपिंग महंगी हुई तो आयातित तेल भी महंगा हुआ। घरेलू तेल (सरसों) पर भी दबाव बढ़ा, क्योंकि लोग सस्ता विकल्प खोजते हैं।

कॉपी-किताबों के कवर, ब्राउन पेपर और लेमिनेशन में इस्तेमाल होने वाला फाइबर और वुड पल्प इम्पोर्टेड है। सप्लाई बाधित होने से नोटबुक की कीमतों में 20% तक बढ़ोतरी संभव है।

रियल एस्टेट सेक्टर भी दबाव में है। क्रेडाई मध्यप्रदेश के अध्यक्ष मनोज सिंह के अनुसार, अन्य राज्यों ने गाइडलाइन दरें स्थिर रखीं, जबकि एमपी में 20% तक वृद्धि हुई है। पेट्रोकेमिकल्स की सप्लाई रुकने से पाइप, टाइल्स, सीमेंट और पेंट जैसे निर्माण सामग्री 20-30% महंगे हो गए हैं, जिससे खरीदारों का भरोसा प्रभावित हो रहा है। इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर मनीष शर्मा बताते हैं कि प्रदेश की कई इंडस्ट्रीज खाड़ी देशों से आयात पर निर्भर हैं, इसलिए सप्लाई बाधित होने का असर सीधे स्थानीय बाजार पर पड़ा है।

हालांकि, फसल कटने के कारण खाद और पेट्रोलियम की डिमांड कम है। फिलहाल डीजल-पेट्रोल के दाम स्थिर रहने से कुछ राहत बनी हुई है।

तीन मंजिला मकान गिरा, महाकाल मंदिर जाने वाले मार्ग पर हादसा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन के गेबी हनुमान क्षेत्र में सोमवार शाम एक तीन मंजिला मकान अचानक गिर गया। घटना का वीडियो सामने आया है। यह मार्ग महाकाल मंदिर जाने वाला प्रमुख रास्ता है। समय रहते रहवासियों ने आवाजाही रोक दी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जिस जगह मकान गिरा, वहां से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गोपाल मंदिर, शिप्रा नदी और महाकाल मंदिर की ओर जाते हैं। शाम से ही मकान झुक रहा था, यह देख लोगों ने रास्ता बंद करा दिया। करीब 7 बजे मकान गिर गया। अगर ट्रैफिक चालू रहता तो बड़ा हादसा हो सकता था। मकान की स्थिति खराब होने लगी थी। स्थानीय लोगों को खतरे का अंदेशा हुआ और उन्होंने तुरंत एहतियात के तौर पर सड़क खाली करा दी। मकान मालिक मनोज भावसार और अली अजगर सहित रहवासियों का आरोप है कि पोकलेन मशीन से चल रही तोड़फोड़ के चलते हादसा हुआ। साथ ही, एक महीने से नींव में पानी भरने की शिकायत भी

की जा रही थी। नगर निगम का कहना है कि ढाबा रोड पर मार्ग चौड़ीकरण के तहत जर्जर भवन को सुरक्षा के साथ हटाया जा रहा था। पूरी कार्रवाई अधिकारियों की निगरानी में और बैरिकेडिंग के साथ की गई। सीएसपी के मुताबिक, हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। पुलिस और नगर निगम की टीम मौके पर मौजूद है।

जीपीएफ संबंधी समस्या समाधान के लिए शिविर 8 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पोलोग्राउंड स्थित सभागार में 8 अप्रैल बुधवार को सुबह 11 बजे से सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) संबंधित समस्याओं के समाधान, शिकायतों के निराकरण के लिए शिविर आयोजित किया जा रहा हैं। इसमें मप्र विद्युत मंडल की उत्तरवर्ती कंपनियों के सेवानिवृत्त, मौजूदा कार्मिकों के भुगतान, ऋण आहरण जानकारी संबंधी त्रुटियों के समाधान की कार्रवाई जबलपुर से आई टीम द्वारा की जाएगी। मप्रपक्षेविविकं प्रबंधन ने मंडल काल में भर्ती हुए कार्मिकों से शिविर का लाभ लेकर सामान्य भविष्य निधि से जुड़ी समस्या के समाधान की अपील की है।

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर तिलक नगर स्थित चमत्कारी श्री सालासर बालाजी भगवान की शोभायात्रा निकली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हनुमान जन्मोत्सवर पर तिलक नगर स्थित प्रसिद्ध चमत्कारी श्री सालासर बालाजी भगवान की शोभायात्रा तिलक नगर स्थित मंदिर से प्रारंभ होकर तिलक नगर में घुमते हुए वापस मंदिर पर आई। शोभायात्रा में रथ पर भगवान हनुमानजी बालस्वरूप में विराजमान थे, साथ में चार बग्घी, बैण्ड-बाजे एवं भजन मंडली व सैकड़ों की संख्या में भक्तजन शामिल थे। शोभायत्रा का जगह-जगह मंच लगाकर स्वागत एवं प्रसाद वितरण किया गया। उक्त जानकारी मंदिर समिति की मुख्य पदाधिकारी श्रीमती ललिता गौड़, राजू सोलीवाल, सुरेन्द्र पाल, नवीन सोलीवाल, अविनाश पचौरी, पार्षद राजेश उदावत, हिमांशू गौड़ ने दी। सभी ने शोभायात्रा में शामिल होकर हनुमानजी की महाआरती की, पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

पटेलिया आदिवासी समाज अपनी प्रथाओं को नये परिवेश में लायेगा प्रतिभाओं और वरिष्ठो का सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आदिवासी जनजाति पटेलिया समाज कल्याण समिति क के तत्वावधान में पटेलिया समाज का होली मिलन एवं सेवानिवृत अधिकारियों और कर्मचारियों का एवं प्रतिभाओं को सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिसिंह झाणिया एव.. इंदौर अध्यक्ष दीपसिंह .झाणिया. एवं विधि प्रकोष्ठ के संरक्षक अखिलेश पसाया थे। वक्ताओं ने अपने अपने समाज की परम्पराओं और अपनी प्रथाओं को संरक्षित और राष्ट्र धाराओं से जोड़ने के साथ समाजोत्थान के

प्रयास करने पर बल दिया। समारोह में समाज के राष्ट्रीय विधि सलाहकार के साथ अन्य जिलों से आये पदाधिकारियों के साथ बुद्धि जीवी प्रतिनिधियों ने सहभागिता दर्ज कराते हुए अन्य मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर कमलेश सौलंकी गोविन्द बामनिया आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साधना सप्ताह में ऑनलाइन प्रशिक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, मिशन कर्मयोगी भारत के तत्वावधान में कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए 8 अप्रैल तक समाधान सप्ताह में एआई बेस्ट व अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर ऑन लाइन प्रशिक्षण द्वद्दशह्ल प्लेटफार्म पर आयोजित किया जा रहा है। इसमें कंपनी के कार्मिक रूचि पूर्वक भाग ले रहे हैं। ऑन लाइन प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत कार्मिकों को ऑन लाइन विधि से ही प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जा रहा हैं।

दिव्य शक्ति पीठ पर मधुमेह-मोटापे से मुक्ति के लिए नीनादेवी अग्रवाल स्मृति दो दिवसीय निशुल्क जांच शिविर में पहुंचे समाज के 1087 बंधु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति, बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन एवं हेल्थ फॉर भारत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमती नीनादेवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में चलाए जा रहे स्वास्थ्य परीक्षण अभियान के अंतर्गत एमआर 10 रोड स्थित दिव्य शक्ति पीठ पर आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में कुल 1087 समाज बंधुओं ने शामिल होकर अपनी विभिन्न 32 प्रकार की जांचे कराई। शिविर में वरिष्ठ समाजसेवी दीपचंद्र अग्रवाल, गणेश गोयल, हरि अग्रवाल, अरविन्द बागड़ी, राजेश बंसल, सानिया अग्रवाल एवं प्रकाश मोमबत्ती विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान 33 यूनिट रक्त का संग्रहण भी दानदाताओं के सहयोग से किया गया।

अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद गोयल एवं बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन के प्रमुख विनोद अग्रवाल के मार्गदर्शन में शिविर में पहले दिन 557 तथा दूसरे दिन 530, इस तरह दोनों दिन कुल 1087 समाज बंधुओं ने आकर अपनी जांचे कराई। अब तक इसके पूर्व आयोजित किए गए 4 स्वास्थ्य शिविरों में लगभग 4600 समाज बंधुओं ने अपनी जांचे कराई है। दिव्य शक्ति पीठ पर सम्पन्न हुए शिविर में नीरज गोयल, शैलेन्द्र गरवाल, शरद कदम, अजय मित्तल, सत्यप्रकाश अग्रवाल, अजय मंगल, प्रीति जैन, भावना गर्ग, नीलम द्विवेदी, रोमी गुप्ता, लल्ली राजोरिया, गायत्री पानेरी, खुशबू वर्मा एवं माधुरी गढ़वाल सहित अनेक बंधुओं का उल्लेखनीय सहयोग रहा।

फिलेटेलिक सोसाइटी में संस्कृत सिक्कों का प्रदर्शन एवं उन पर की गई दिलचस्प चर्चा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फिलेटेलिक एवं इंदौर न्यू मिस्मेटिक सोसाइटी की संयुक्त मासिक सभा में इस बार संस्कृत के सिक्कों पर बातचीत के साथ ही तत्कालीन सिक्कों का प्रदर्शन भी किया गया। मुद्रा संग्राहक शिवम चतुर्वेदी ने रीगल चौराहा स्थित इंडियन कॉफ़ी हाउस पर आयोजित बैठक में इन सिक्कों पर अनेक दिलचस्प जानकारियां प्रदान की।

बैठक में वर्ष 2025 का लेखा जोखा चेतन अग्रवाल ने प्रस्तुत किया जो सर्वसम्मति से मंजूर किया गया। इस दौरान रवीन्द्र पहलवान ने यूएई और मालवा के परमार वंश से जुड़े दो सिक्कों पर विशेष कार्यशाला का भी आयोजन किया और उनपर विशेष चर्चा की गई। इस मौके पर दो फिलेटेलिस्ट नरेन्द्र अग्रवाल एवं शिवम चतुर्वेदी तथा मुद्रा संग्राहक और लोकतंत्र सेनानी गिरीश शर्मा आदित्य का विशेष रूप से सम्मान भी किया गया। रवीन्द्र व्यास ने पोस्टकार्ड और लोक कला का प्रदर्शन कर उनसे जुडी जानकारियां साझा की जबकि राजेश शाह ने नवरात्रि पर जारी किए गए विशेष आवरण एवं अन्य आवरणों का भी प्रदर्शन किया। राजेंद्र अग्रवाल ने सभी सदस्यों को उपहार भेंट किए। सभा का संचालन कार्यकारी अध्यक्ष राजेश शाह ने किया। स्वास्थ्य प्रार्थना मिलिंद देहद्राय ने की और स्वागत उद्बोधन गिरीश शर्मा आदित्य ने दिया। सभा शुभारंभ की घोषणा नरेन्द्र अग्रवाल ने की और आभार माना रवीन्द्र व्यास ने।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

अपराध के पांव ! कम उम्र के बच्चों में हिंसा की प्रवृति बेहद खतरनाक

अगर कुछ किशोर आपराधिक वारदात को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं, तो कानून व्यवस्था संभालने वाले जिम्मेदार लोग क्या कर रहे हैं? मामूली बातों के लिए किसी की हत्या कानून व्यवस्था से जुड़ा मसला जरूर है, लेकिन इसका समाजशास्त्रीय पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज किया जाता रहा है। आजकल मामूली बातों पर विवाद जिस तरह हिंसक मोड़ ले रहे हैं, वह चिंता का विषय है। लोग अब छोटी-छोटी बातों पर अपना आपा खो देते हैं। ऐसी घटनाओं का अंत कई बार किसी की हत्या तक के रूप में सामने आता है। इस तरह के मामलों में नाबालिगों के भी शामिल पाए जाने से स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। पिछले दिनों उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में महज चार सौ रुपये के लेनदेन के विवाद में युवक की हत्या समाज की दशा और दिशा की एक तकलीफदेह तस्वीर सामने रख देती है। इस मामले में तीन नाबालिगों पर आरोप है कि वे घटनास्थल पर युवक को चाकू मारते रहे, जबकि चौथा इस घटना का वीडियो बनाता रहा। साफ है कि आरोपियों के मन में कानून का कोई खौफ नहीं था। इससे पहले भी दिल्ली में हुई कई वारदात में नाबालिग शामिल पाए गए हैं। देश की राजधानी में अपराध की यह तस्वीर कैसे और क्यों बन रही है, यह चिंता सरकार की प्राथमिकता में कहीं नहीं दिखती। इसकी फिक्र भी किसी को नहीं है कि कम उम्र के किशोरों के हाथों में घातक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं। हाल के वर्षों में कम उम्र के बच्चों के बीच भी हिंसा की प्रवृत्ति जिस तरह बढ़ी है, यह समाज के लिए बेहद खतरनाक है। नशे की लत का शिकार होने के बाद कई नाबालिग इस समय अपराध के दलदल में धंसते दिख रहे हैं। अगर कुछ किशोर आपराधिक वारदात को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं, तो कानून व्यवस्था संभालने वाले जिम्मेदार लोग क्या कर रहे हैं? कानून से लेकर समाज तक, अपराध और अपराधियों के प्रति जरूरी सख्ती न बरतने का ही नतीजा है कि नाबालिगों के कदम अपराध की ओर बढ़ रहे हैं। सरकार और समाज के लिए यह व्यापक चिंता का मसला होना चाहिए। मां ने स्थानीय अदालत में दायर याचिका में अनुरोध किया था कि उन्हें अपनी बेटी का अभिभावक घोषित किया जाए और उसकी पढ़ाई के लिए संपत्ति में उसके हिस्से को बेचने की अनुमति दी जाए।

खरगे की 'अशिक्षित गुजरात' वाली टिप्पणी पर भाजपा के जोरदार पलटवार

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार (5 अप्रैल) को इडुक्की जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि केरल के लोग शिक्षित और चतुर हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता, जबकि गुजरात और कुछ अन्य स्थानों के लोग गुमराह हो जाते हैं। उन्होंने कहा था कि केरल के लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन पर हमला करते हुए केरल और गुजरात के लोगों की तुलना की और कहा कि ये दोनों नेता गुजरात या अन्य जगहों के निरक्षर लोगों को तो मूर्ख बना सकते हैं लेकिन चुनाव वाले राज्य यानी केरल में नहीं।

खड़गे के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है। विपक्षी दलों ने इसे अपमानजनक बताते हुए प्रतिक्रिया दी है। बता दें कि केरल की 140 विधानसभा सीटों के लिए 9 अप्रैल को मतदान होना है, जिसके चलते सभी दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है।

भाजपा ने रविवार को केरल और गुजरात के लोगों की तुलना करने वाले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है। पार्टी ने आरोप लगाया कि खरगे ने गुजरात और उत्तर भारत के अन्य राज्यों के लोगों को अशिक्षित कहकर उनका अपमान किया है। भाजपा ने विपक्षी दल पर विधानसभा चुनावों से पहले फूट डालो और राज करो की राजनीति करने का आरोप लगाया।

'भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने गुजरात और उत्तर भारत के लोगों का अपमान किया है और चुनाव से पहले फूट डालो और राज करो की राजनीति कर रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने ने खरगे पर पलटवार करते हुए उनसे पूछा कि महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे नेताओं की 'बुद्धिमत्ता' के बारे में उनका क्या विचार है, ये सभी नेता गुजरात, उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों से थे।त्रिवेदी ने कांग्रेस पर 9 अप्रैल को होने वाले केरल चुनावों से पहले फूट डालो और राज करो की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य की जनता चुनावों में इसका मुंहतोड़ जवाब देगी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भाजपा के राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने कहा, 'मैं राहुल गांधी के बारे में सवाल नहीं करना चाहूंगा क्योंकि पूरा देश उन्हें जानता है'। उन्होंने कहा कि केरल के लोग वाकई बुद्धिमान और शिक्षित हैं, लेकिन न तो कांग्रेस और न ही वामपंथी दलों ने कभी उनके साथ न्याय किया। उन्होंने कहा 'यह सच है कि केरल के लोग बहुत बुद्धिमान और शिक्षित हैं। उनकी इसी बुद्धिमत्ता के कारण भाजपा ने 45 सालों के वामपंथी

शासन के बाद तिरुवनंतपुरम में नगर निगम चुनाव जीता। उन्होंने कहा कि केरल के लोग बहुत बुद्धिमान हैं इसलिए 'लव जिहाद' की घटना सबसे पहले केरल में ही सामने आई'। उन्होंने कहा कि केरल के लोग समझदार हैं, लेकिन कांग्रेस और कम्युनिस्ट दलों के नेता बेहद खतरनाक हैं।

वहीं गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगेपर तीखा हमला बोला और कहा कि उनकी टिप्पणी गुजरात की छह करोड़ जनता और महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं को देश को देने वाली राज्य की विरासत का अपमान है।खड़गे जी, जिस गुजरात की धरती ने देश को महात्मा गांधी दिए, जिस गुजरात ने देश को लौह पुरुष सरदार पटेल दिए, जिस गुजरात ने देश के सबसे लोकप्रिय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी दिए, जिस गुजरात ने विकास का नया मॉडल पूरी दुनिया को दिखाया उस गुजरात के 6 करोड़ गुजरातवासियों का अपमान? इसी के साथ सांघवी ने कांग्रेस पर बार-बार गुजरात को निशाना बनाने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या पार्टी की यह आलोचना राज्य की जनता द्वारा सत्ता से बेदखल किए जाने के कारण है। उन्होंने कहा कि खरगे का बयान हताशा नहीं, बल्कि कांग्रेस की वास्तविक प्रतिष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि गुजरात की राजनीतिक रूप से जागरूक जनता ने गांधी और पटेल की भूमि का अपमान करने वालों को हमेशा नकारा है और आगे भी ऐसा करती रहेगी। साथ ही कहा कि गुजरात इसे माफ नहीं करेगा। इधर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला कहना है कि खरगे ने गुजरात और उत्तर भारत के लोगों के खिलाफ चौंकाने वाली टिप्पणियां की हैं। सोशल मीडिया पर क वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, 'कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर गुजरात और उत्तर भारत के लोगों के खिलाफ चौंकाने वाली टिप्पणी की है। यह कांग्रेस की फूट डालो और राज करो की नीति को दर्शाता है। उन्होंने गुजरात और उत्तर प्रदेश के लोगों को सिर्फ इसलिए गाली दी और अनपढ़ कहा क्योंकि वे कांग्रेस को वोट नहीं देते। जब कांग्रेस चुनाव हारती है, तो वह लोगों को गाली देती है'।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'चौंकाने वाला: कांग्रेस ने गुजरात और उत्तर भारत का अपमान किया' पूनावाला ने पूछा कि क्या गुजरात में कांग्रेस के नेता और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और आरजेडी के तेजस्वी यादव जैसे विपक्षी नेता ऐसी टिप्पणियों का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा 'क्या गुजरात कांग्रेस इससे सहमत है? क्या अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव इससे सहमत हैं? यह पहली बार नहीं है। डी के। सुरेश जैसे कांग्रेस नेताओं ने उत्तर और दक्षिण भारत के बीच विभाजन का आह्वान किया है। उन्होंने उत्तर भारतीयों और उत्तर में रहने वाले अन्य लोगों का अपमान किया है'। इसके साथ ही भाजपा के एक अन्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए दोहराया कि पार्टी 'बांटो और राज करो' की नीति अपनाती है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते भंडारी ने कहा कि ए ओ ह्यूम द्वारा स्थापित कांग्रेस विभाजनकारी राजनीति का अभ्यास करती है और एक भारतीय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करना चाहती है। भंडारी की पोस्ट में लिखा 'अंग्रेज ए ओ ह्यूम द्वारा स्थापित कांग्रेस, स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजों की तरह ही 'बांटो और राज करो' की नीति अपनाती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि भारत की जनता ने इस विभाजनकारी कांग्रेस को नकार दिया है, जिसके वैचारिक मार्गदर्शक 'शहरी नक्सली' जैसे हैं और जो एक भारतीय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करना चाहती है। कांग्रेस भारत की एकता के खिलाफ है' ।मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'अगर आपको गुजरात और अन्य क्षेत्रों के लोग कम समझदार लगते हैं, तो महात्मा गांधी, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और उत्तर भारत के सभी बड़े नेताओं को लेकर अपने इरादे स्पष्ट करें।'त्रिवेदी ने आगे कहा, 'कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह बयान पार्टी की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है, जो 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' जैसे विचार को आगे बढ़ाना चाहती है। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा बयान दिया गया हो। इससे पहले भी पी। चिदंबरम ने कहा था कि अगर उत्तर भारत नहीं होता तो दक्षिण भारत बहुत आगे होता।'उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता लगातार उत्तर और दक्षिण भारत के बीच विभाजन की राजनीति कर रहे हैं। त्रिवेदी ने कहा कि खड़गे के राज्य के एक वित्त मंत्री ने भी यह कहा था कि दक्षिण ज्यादा कर देता है, इसलिए उसे अलग हो जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने बिहार के लोगों के डीएनए को लेकर टिप्पणी की थी। केरल का जिक्र करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि वहां के लोग बहुत जागरूक और शिक्षित हैं और अब वे अपनी समझदारी दिखा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 45 साल के वामपंथी शासन के बाद तिरुवनंतपुरम में भाजपा ने नगर निगम चुनाव जीता। उन्होंने यह भी कहा कि 'लव जिहाद' का मुद्दा सबसे पहले केरल में ही सामने आया था। अंत में त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने कभी भी केरल के जागरूक लोगों के साथ न्याय नहीं किया।

खड़गे के बयान को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आपत्तिजनक और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी द्वारा गुजरात के लोगों के संदर्भ में दिए गए बयान अत्यंत आपत्तिजनक और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। इस प्रकार की टिप्पणी न केवल 6 करोड़ गुजरातवासियों का अपमान है, बल्कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल की पावन धरती की गरिमा को भी ठेस पहुंचाती है।

उन्होंने आगे कहा, गुजरात ने हमेशा राष्ट्र निर्माण, विकास और एकता में अग्रणी भूमिका निभाई है और आगे भी करता रहेगा। ऐसे बयान कांग्रेस की संकीर्ण सोच को दर्शाते हैं। यह टिप्पणी स्पष्ट करती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की विकास की राजनीति और उसे मिल रहे व्यापक जनसमर्थन से कांग्रेस कितना असहज और असुरक्षित महसूस कर रही है। गुजरात की जागरूक जनता ऐसे बयानों का जवाब देना जानती है, और आने वाले समय में केरल की जनता भी कांग्रेस को नकारकर भाजपा की विकास की राजनीति का समर्थन करेगी, यह निश्चित है।इस प्रकार की टिप्पणी न केवल 6 करोड़ गुजरातवासियों का अपमान है, बल्कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल की पावन धरती की गरिमा को भी ठेस पहुंचाती है।

भूपेंद्र पटेल ने कहा, गुजरात ने हमेशा राष्ट्र निर्माण, विकास और एकता में अग्रणी भूमिका निभाई है और आगे भी करता रहेगा। ऐसे बयान कांग्रेस की संकीर्ण सोच को दर्शाते हैं। यह टिप्पणी स्पष्ट करती है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की विकास की राजनीति और उसे मिल रहे व्यापक जनसमर्थन से कांग्रेस कितना असहज और असुरक्षित महसूस कर रही है। गुजरात की जागरूक जनता ऐसे बयानों का जवाब देना जानती है, और आने वाले समय में केरल की जनता भी कांग्रेस को नकारकर भाजपा की विकास की राजनीति का समर्थन करेगी, यह निश्चित है।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

ओंकार पर्वत एप्रोच रोड, 2500 पौधों से बदली तस्वीर

खंडवा ● ओंकार पर्वत पर आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा तक पहुंचने के लिए बनाई गई एप्रोच रोड अब हरियाली से आच्छादित हो रही है।निर्माण के दौरान हुए वृक्ष नुकसान की भरपाई के लिए पीडब्ल्यूडी ने यहां 2500 से अधिक पौधे लगाए थे।इनमें करंज, नीम, पीपल और बरगद प्रमुख हैं।ये पौधे न केवल पर्वत की सुंदरता बढ़ा रहे हैं, बल्कि भविष्य में मिट्टी के कटाव को रोकने में भी सहायक होंगे।

कांग्रेस टीम से बाहर नेता भारत कृषक समाज में पदाधिकारी, पूर्व पीसीसी चीफ यादव ने सौंपे नियुक्ति पत्र

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● प्रदेश की राजनीति में संगठनात्मक हलचल के बीच अब नए समीकरण बनते नजर आ रहे हैं। पूर्व पीसीसी अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री रहे अरुण यादव ने भारत कृषक समाज के माध्यम से ऐसे नेताओं को मंच देना शुरू कर दिया है, जो हाल ही में कांग्रेस की टीम से बाहर हो गए थे। इसे राजनीतिक रूप से एक बड़े संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। सोमवार को खरगोन जिले के बोरावा में आयोजित किसान गोष्ठी के दौरान 1956 में गठित हुए भारत कृषक समाज नाम के संगठन का विस्तार करते हुए कई अहम नियुक्तियां की गईं। खंडवा शहर इकाई के लिए अर्ष पाठक को शहर जिलाध्यक्ष बनाया गया, जबकि दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में विनोद यादव और उत्तर ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में इकबाल कुरैशी को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में मूंदी के किसान नेता लक्ष्मीचंद्र गुर्जर को खंडवा जिले का ग्रामीण जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सभी को नियुक्ति पत्र स्वयं अरुण यादव ने सौंपे। कार्यक्रम में अरूण यादव के भाई कसरावद विधायक सचिन यादव (पूर्व कृषि मंत्री) सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। हाल ही में जीतू पटवारी की अगुवाई में कांग्रेस संगठन में हुए फेरबदल के बाद कई नेता सक्रिय भूमिका से बाहर हो

गए थे। ऐसे में अरुण यादव द्वारा उन्हें भारत कृषक समाज में स्थान देना एक नई राजनीतिक रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। यह कदम न केवल संगठन विस्तार बल्कि असंतुष्ट नेताओं को साधने की कोशिश भी माना जा रहा है।

किसानों पर फोकस, क्षेत्रीय समीकरण भी

अरुण यादव ने कहा कि किसानों की आवाज को मजबूत करने के लिए संगठन का विस्तार जरूरी है। उन्होंने नए पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे जमीनी स्तर पर किसानों की समस्याओं को उठाएं और संगठन को सक्रिय बनाएं। इधर, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह नियुक्तियां सिर्फ संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि आने वाले समय में क्षेत्रीय राजनीति में नए समीकरणों की शुरुआत भी हो सकती है।

जबलपुर-पुणे ट्रेन अब नियमित, स्पेशल नहीं रहने से किराया घटा, नया नंबर जारी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ●रेलवे ने बुरहानपुर रेलवे स्टेशन पर संचालित होने वाली 02131 जबलपुर-पुणे साप्ताहिक ट्रेन को स्पेशल श्रेणी से हटाकर नियमित साप्ताहिक श्रेणी में शामिल करने के आदेश जारी किए हैं। इस ट्रेन का नंबर भी बदल दिया गया है, जिससे यात्रियों को कई सुविधाएं मिलेंगी। पहले यह ट्रेन 02131-32 नंबर से स्पेशल के रूप में चलती थी, जिसका किराया अधिक था और यह अक्सर समय पर नहीं पहुंच पाती थी। अब इसे 20161-62 नंबर के साथ नियमित साप्ताहिक ट्रेन के रूप में संचालित किया जाएगा। इस बदलाव से यात्रियों को कम किराया देना होगा और ट्रेन हर सप्ताह निर्धारित समय पर पहुंचेगी। खंडवा संसदीय सीट से सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने इस संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की थी। रेलवे द्वारा स्पेशल का दर्जा हटाकर इन सुविधाओं को प्रदान किया गया है। जबलपुर-पुणे ट्रेन के अलावा, रेलवे ने खंडवा की दो अन्य ट्रेनों को भी नियमित किया है। इनमें 02187-88 रीवा-मुंबई स्पेशल ट्रेन को अब 20153-54 नंबर के साथ नियमित साप्ताहिक किया गया है। इसी तरह, 07019-20 हैदराबाद-जयपुर स्पेशल ट्रेन को भी 17079-80 नंबर के साथ हैदराबाद-जयपुर के बीच नियमित साप्ताहिक कर दिया गया है।

प्रभावित लोग आज घेरेंगे हाउसिंग बोर्ड का दफ्तर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● एमआर-4 चौड़ीकरण से प्रभावित होने वाले ढांचा भवन क्षेत्र के रहवासी आज मप्र हाउसिंग बोर्ड कार्यालय घेरेंगे। प्लॉट और मकान खरीदी के प्रमाण प्रस्तुत करते हुए वे अधिकारियों से सवाल जवाब करेंगे। ढांचा भवन विश्व बैंक कॉलोनी के रहवासियों ने तैयारी कर ली है। कॉलोनी के रहवासी सावन कुशवाह ने बताया कि शासकीय संस्था द्वारा बसाई गई कॉलोनी में मकान व प्लॉट खरीदे हैं। सारे दस्तावेज हमारे पास है। बावजूद इसके अफसर पास की खाली पड़ी सरकारी जमीन में सड़क बनाने के बजाय हमारे मकान तोड़कर हमें बेघर करने पर आमादा हो रहे हैं। कुशवाह ने बताया अधिकृत कॉलोनी चौड़ीकरण से क्यों प्रभावित हो रही है। इसी का जवाब पूछने हाउसिंग बोर्ड कार्यालय जाएंगे।

नाले से मिला नवजात का शव, पुलिस बोली- फेंकने की आशंका

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● जिले के सुसनेर नगर में सोमवार नरबदिया नाले की पुलिया के नीचे एक शिशु का शव मिला। स्थानीय लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह शव लगभग 8 माह के गर्भ के शिशु का प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने शिशु को नाले में फेंक दिया था। घटना की सूचना मिलते ही सुसनेर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया है। पोस्टमार्टम से शिशु की मौत के वास्तविक कारणों का पता चलेगा। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे नवजात को फेंकने का मामला मान रही है। हालांकि, पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहन जांच कर रही है और आसपास के क्षेत्र में पूछताछ जारी है।

कांग्रेस का 9 अप्रैल को किसान आंदोलन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दो दिन पहले खंडवा में बयान दिया था कि कांग्रेस 9 अप्रैल को प्रत्येक जिले में किसान आंदोलन करेगी। कलेक्टरों का घेराव कर किसानों की मांगें रखी जाएंगी। इधर, कांग्रेस के आंदोलन को देखते हुए सरकार भी सतर्क हो गई है और 10 अप्रैल की बजाय अब 9 अप्रैल से ही गेहूं खरीदी शुरू करने का ऐलान कर दिया है।

कांग्रेस ने मंडल स्तर पर सौंपी जिम्मेदारी

खंडवा में जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) ने आंदोलन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिलाध्यक्ष उत्तमपालसिंह पुरनी ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में पदाधिकारियों की बैठक बुलाई। बैठक में सभी को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। ब्लॉक व मंडलम सहित जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे बड़ी संख्या में शामिल हों और आंदोलन को सफल बनाएं। हर बूथ अध्यक्ष को अपने बूथ से करीब 10 लोगों को लाने का लक्ष्य दिया गया है। बताया गया कि इस आंदोलन में 5 से 6 हजार किसानों को शामिल किया जाएगा।

कलेक्टर का घेराव करेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तमपालसिंह पुरनी ने बताया कि 9 अप्रैल को किसान आंदोलन के दिन सभी कांग्रेसजन और किसान दोपहर 12 बजे महाराणा प्रताप प्रतिमा के पास एकत्र होंगे। वहां से रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय के लिए कूच किया जाएगा। कलेक्टर का घेराव कर किसानों की मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसमें गेहूं खरीदी के अलावा स्थानीय मांगें और सिंचाई से जुड़ी समस्याएं भी उठाई जाएंगी।

स्वास्थ्य के संदेश के साथ सजी 'दया प्रीमियम लीग 2026', फाइनल में रोमांचक टाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दया वर्ल्ड वाइड लिमिटेड द्वारा 'हेल्थ इज वेल्थ' के संदेश को केंद्र में रखते हुए दया प्रीमियम लीग 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस आयोजन में खेल के साथ फिटनेस और स्वास्थ्य के महत्व को प्रमुखता से दर्शाया गया। टूर्नामेंट में तीन टीमों के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले और खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने माहौल ऊर्जा से भर दिया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला दया टाइटंस और दया लेजेंड्स के बीच खेला गया, जो बेहद रोमांचक रहा और मैच टाई हुआ। दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और कई यादगार पल दिए। दया प्रीमियम लीग 2026 के आयोजक विकास रमनानी ने कहा,

'हमारा उद्देश्य केवल टूर्नामेंट आयोजित करने के साथ, समाज में स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साह यह दर्शाता है कि खेल के माध्यम से हम एक सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।' व्यक्तिगत पुरस्कारों में साहिल चंदवानी बेस्ट बल्लेबाज, विकास रमनानी को बेस्ट गेंदबाज, जयशिव जायसवानी मैन ऑफ द टूर्नामेंट और हरनीत सिंह रोहारा मैन ऑफ द सीरीज रहे। तमन्ना केसवानी को बेस्ट ओवरऑल परफॉर्मेंस के लिए सम्मानित किया गया।

आज मुंबई इंडियंस के सामने राजस्थान रॉयल्स की मुश्किल चुनौती

गुवाहाटी (एजेंसी) ● आईपीएल में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। इस मैच में जहां रॉयल्स जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। वहीं मुम्बई का लक्ष्य पिछले मैच में मिली हार से उबरकर जीत की राह पर वापसी करना रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें ता अब तक दोनो के बीच 31 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 16 मुंबई ने जबकि 14 रॉयल्स ने जीते हैं। कप्तान रियान पराग की राजस्थान टीम ने अब तक काफी अच्छा खेला है। टीम के हर खिलाड़ी ने अपनी ओर से योगदान दिया है। यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है, वहीं वैभव सूर्यवंशी ने इसे तेजी रही है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने पावरप्ले के दौरान टीम को काफी गति प्रदान की है। मध्यक्रम में ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला है, जबकि शिमरोन हेटमायर ने दबाव भरे पलों में भी बड़े-बड़े छक्के लगाकर टीम लक्ष्य तक पहुंचाया है। पराग ने स्वयं भी अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों से टीम में अहम योगदान दिया है, जिससे टीम की मुख्य बल्लेबाजी संरचना में स्थिरता बनी रही है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के आने से टीम का संतुलन बेहतर हुआ है। गेंदबाजी में टीम के पास जोफ्रा आर्चर जैसा तेज गेंदबाज है। वहीं नांद्रे बर्गर ने ने उनका अच्छा साथ दिया है। बीच के ओवरों में रवि बिश्नोई ने अपनी स्पिन से विरोधियों पर अंकुश लगाया है। वहीं संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने भी अच्छी गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर दूसरी ओर मुंबई इंडियंस की टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या की इस मैच से वापसी अभी तय नहीं है। ऐसे में कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास ही रहने की संभावना है।

कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन (एजेंसी) ● इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी।

इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है।

सीता जी के रोल के लिए साई पल्लवी से बेहतर कोई नहीं : रणबीर

मुंबई (एजेंसी) ● एक इवेंट में नितेश तिवारी की फिल्म रामायण का टीजर दिखाया गया। अपकमिंग मूवी में अभिनेता रणबीर कपूर भगवान श्रीराम के किरदार में नजर आएंगे। रामायण फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर रणबीर कपूर ने बताया कि माता सीता के किरदार के लिए साई पल्लवी से बेहतर कोई और हो ही नहीं सकता था। साई पल्लवी की तारीफ करते हुए रणबीर ने कहा कि वह एक बेहद मंझी हुई एक्ट्रेस हैं और उन्होंने अब तक कमाल का काम किया है। रणबीर कपूर ने रामायण मूवी के सेट का एक दिलचस्प किस्सा शेयर करते हुए बताया, 'मुझे याद है जब पहले दिन मैंने साई को माता सीता के गेटअप में देखा, तो मैं बस नितेश सर को देखता रह गया। हम दोनों को उसी पल समझ आ गया था कि इस रोल के लिए उनसे बेहतर कोई और हो ही नहीं सकता।' नितेश तिवारी की 'रामायण' में जहां साई पल्लवी की चर्चा हर तरफ है, वहीं यश का रावण बनना भी फिल्म का सबसे बड़ा हाईलाइट माना जा रहा है। फिल्म में राम का किरदार निभा रहे रणबीर कपूर ने यश की तारीफ करते हुए कहा, 'यश का अपना एक अलग स्टारडम है, रावण जैसे शक्तिशाली किरदार को निभाने के लिए जिस ऑरा और स्क्रीन प्रेजेंस की जरूरत होती है, वह यश में कूट-कूट कर भरी है।' हालांकि, अभी तक साई पल्लवी और यश के लुक्स को पूरी तरह रिवील नहीं किया गया है, लेकिन रणबीर के राम लुक ने फैंस की उम्मीदें सातवें आसमान पर पहुंचा दी हैं।

'भूत बंगले' का खुला दरवाजा, वधुसुर के लौटने से सहमे लोग

मुंबई (एजेंसी) ● फिल्म 'भूत बंगला' का ट्रेलर आ गया है। ट्रेलर देख लोग निराश हो गए हैं। जब फिल्म का टीजर आया था, तब लोगों ने कहा था कि ये 'भूल भुलैया' जैसी लग रही है। वहीं, ट्रेलर में अक्षय कुमार और राजपाल यादव के डायलॉग्स सुनकर लोग कह रहे हैं कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म नहीं चलने वाली है। 'भूत बंगला' के ट्रेलर में अक्षय एक ऐसे बंगले के वारिस बनते हैं, जिसके पीछे एक डरावना जंगल होता है। इस जंगल को 'पिशाच वन' कहा जाता है। परेश रावल बंगले में मौजूद खतरों के बारे में अक्षय को चेतावनी देने की कोशिश करते हैं। अक्षय उनकी नहीं सुनते हैं और वहां शादी करने का फैसला लेते हैं। असरानी, अक्षय को बताते हैं कि मंगलपुर में कोई शादी नहीं करता, क्योंकि यहां वधुसुर नाम की एक बुरी शक्ति है। ट्रेलर के आखिर में, अक्षय अनजाने में वधुसुर को उसकी नींद से जगा देते हैं। इस फिल्म में अक्षय के साथ वामिका गब्बी, तब्बू, राजपाल यादव और जीशु सेनगुप्ता भी हैं। ये फिल्म 17 अप्रैल के दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

उज्जैन संभाग

सिंहस्थ से पहले एक्शन में प्रशासन, काम की धीमी गति पर सिंहस्थ मेला अधिकारी ने जताई नाराजगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने सोमवार को सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत निर्माणाधीन जल परियोजनाओं का निरीक्षण किया। संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने सोमवार को सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत निर्माणाधीन जल परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सिलारखेड़ी-सेवरखेड़ी परियोजना को नेट-जीरो एनर्जी मॉडल पर संचालित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना में काम की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने निर्माण कंपनी पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए।

आगामी सिंहस्थ मेले को ध्यान में रखते हुए करीब 1500 करोड़ रुपए की लागत वाली सिलारखेड़ी-सेवरखेड़ी और कान्ह क्लोज डक्ट परियोजनाओं का जायजा लेने पहुंचे संभागायुक्त एक्शन मोड में नजर आए। कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना की धीमी गति पर उन्होंने सख्ती दिखाई और एक सप्ताह में कार्य में सुधार नहीं होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

सौर ऊर्जा से चलेगी परियोजना, खर्च होगा शून्य

आशीष सिंह ने कहा कि सेवरखेड़ी बैराज से पानी लिफ्ट करने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग किया जाए, जिससे परियोजना शून्य खर्च आधारित बन सके। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सेवरखेड़ी जलाशय के आसपास बड़े स्तर पर सोलर पैनल स्थापित करने की योजना तैयार की जाए, ताकि पानी लिफ्ट करने में लगने वाली बिजली की पूर्ति सौर ऊर्जा से हो सके। इससे परियोजना का संचालन बिना अतिरिक्त ऊर्जा खर्च के संभव होगा और यह पूरी तरह ग्रीन एनर्जी आधारित बनेगी।

300 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित होगा जलाशय

परियोजना के तहत मानसून के दौरान सेवरखेड़ी बैराज से लगभग 51 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी लिफ्ट कर सिलारखेड़ी जलाशय में संग्रहित किया जाएगा। करीब 300 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित हो रहे इस जलाशय के आसपास सोलर पैनल लगाए जाएंगे, जिससे बिजली खर्च शून्य रहेगा और संचालन पर्यावरण के अनुकूल होगा। परियोजना को दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा

साइंस सिटी में बिना हाथ लगाए बज रहा म्यूजिक, खेल-खेल में साइंटिस्ट बनेंगे बच्चे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● प्रदेश के दूसरे साइंस सेंटर का लोकार्पण मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 3 अप्रैल को किया। लोकार्पण के बाद अब इसे आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। करीब 15 करोड़ रुपए की लागत से बने इस सेंटर में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। हालांकि, अभी तक एंट्री फीस और विजिटिंग टाइम तय नहीं हो पाए हैं। तारामंडल कॉम्प्लेक्स में विकसित इस सेंटर को नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम्स और राज्य सरकार के सहयोग से तैयार किया गया है। यहां विज्ञान को इंटरैक्टिव और आसान तरीके से समझाने की व्यवस्था की गई है, ताकि विद्यार्थी और आम लोग प्रयोगों के जरिए सीख सकें।

साइंस सेंटर को चार प्रमुख सेक्शन में बांटा गया है। इसमें एक्टिविटी हॉल, भारत की अंतरिक्ष विरासत, इंडियन साइंस एंड टेक्नोलॉजी और एंटरटेनमेंट गैलरी शामिल हैं। एंटरटेनमेंट गैलरी सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र है, जहां बच्चे और बड़े गेम्स और मॉडल्स के जरिए विज्ञान की बारीकियां समझ सकेंगे। यहां लॉफिंग मिरर, घूमता अंडा, उछलती गेंद, हवा में तैरती गेंद, अंतहीन कुआं, वर्चुअल हार्प, आभासी ड्रम, कलर मिक्सिंग, ऑप्टिकल इफेक्ट्स और रिएक्शन टाइम जैसे कई इंटरैक्टिव मॉडल लगाए गए हैं।

महाकाल को 70 लाख के चांदी के आभूषण अर्पित गुजरात के भक्त ने 29 किलो आभूषण दान में दिए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री महाकालेश्वर मंदिर में गुजरात से आए एक दानदाता ने करीब 70 लाख रुपए मूल्य के चांदी के आभूषण बाबा महाकाल को अर्पित किए। भक्त सोमवार को अपने परिवार के साथ मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने लगभग 29 किलो रजत से बने आभूषण मंदिर समिति को दान किए। महाकाल मंदिर के सहायक प्रशासक एस.एन. सोनी ने बताया कि अहमदाबाद (गुजरात) से दर्शन के लिए आए दानदाता महेश भाई भगवानदास ठाकुर ने भगवान श्री महाकालेश्वर के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए चांदी के आभूषण भेंट किए। अहमदाबाद (गुजरात) से

दर्शन के लिए आए दानदाता महेश भाई भगवानदास ठाकुर ने भगवान श्री महाकालेश्वर के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए चांदी के आभूषण भेंट किए।

दान में चांदी की पगड़ी, गंगाजली युक्त मुकुट, नागफन जड़ित मुकुट, सूर्यकिरण जड़ित मुकुट, चंद्रमा युक्त मुकुट, मुण्डमाला, कुंडल, कटोरा, धूपिया, गरुड़, डमरू-घंटी, रुद्राक्ष माला, त्रिपुण्ड, चंवर, चंद्रमा, नेत्र सहित अन्य रजत श्रृंगार सामग्री शामिल है।

इन सभी सामग्रियों का कुल वजन जड़ित वस्तुओं सहित 29 किलो 941 ग्राम है। बाजार मूल्य लगभग 70 लाख रुपए आंका गया है, हालांकि चांदी की शुद्धता जांच के बाद ही वास्तविक कीमत तय होगी। इस पुनीत कार्य के लिए श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति ने दानदाता का स्वागत और सम्मान किया।

ट्रक के 3 टायर चोरी करने वाले दो गिरफ्तार, गरोठ हाईवे पर बेचने की फिराक में थे, पुलिस ने पकड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● दो दिन पहले पांड्याखेड़ी इलाके में ब्रिज के पास खड़े ट्रक से अज्ञात बदमाश तीन टायर चोरी कर ले गए थे। थाना पंवासा पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 48 घंटे के भीतर दो चोरों को गिरफ्तार कर 11.50 लाख रुपए कीमत के तीन टायर और एक आयशर वाहन जब्त किया है। थाना पंवासा में फरियादी असीम कुमार तिलकर (39), निवासी किशनपुरा, थाना माधवनगर, जिला उज्जैन ने अपने मैनेजर योगेंद्र चौधरी के साथ रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वे ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय करते हैं और उनकी गाड़ियां पांड्याखेड़ी ब्रिज के पास डालाडा मैदान में खड़ी रहती हैं। मैनेजर ने सूचना दी कि ट्रक के पीछे बाईं ओर के दो और दाईं ओर का एक टायर डिस्क सहित गायब है। आसपास तलाश करने पर भी टायरों का कोई सुराग नहीं मिला।

न्यूज ब्रीफ

रैबीज का सुलभ उपचार शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों पर उपलब्ध

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रेबीज एक विषाणु जनित संक्रमण है जो मनुष्य में रेबीज पीड़ित जानवरों के काटने या खरोंच से भी फैलता है। मुख्यत: यह बीमारी कुत्तों के काटने से होती है, इसके अलावा बिल्ली, नेवले, बंदर या अन्य गर्म खून वाले जानवरों के काटने या खरोंच से भी यह रोग फैलता है। जानवरों के काटने पर या खरोंचने पर घाव को साबुन और बहते पानी से तुरंत धोएं व स्प्रिट/अल्कोहल या घरेलु एंटीसेप्टिक का इस्तेमाल करें। घाव पर मिर्च, सरसों का तेल इत्यादि कोई अन्य पदार्थ न लगाये ओर अंधविश्वास से बचें। घरेलु जानवरों का समय-समय पर टीकाकरण करवायें। एंटी रेबीज क्लिनिक जाएं और चिकित्सक के परामर्श अनुसार टीकाकरण का कोर्स पूरा करें।

अग्नि दुर्घटना से बचाव हेतु कलेक्टर कार्यालय में मॉक ड्रिल आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्नि दुर्घटनाओं से प्रभावी बचाव एवं त्वरित राहत कार्यों के उद्देश्य से इंदौर जिले में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत आज कलेक्टर कार्यालय में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल के माध्यम से आग लगने की स्थिति में किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यों का पूर्वाभ्यास किया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान अधिकारी एवं कर्मचारियों को आग लगने के संभावित कारणों तथा ऐसी स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि आपात स्थिति में स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए किस प्रकार कार्य किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को आग बुझाने के प्राथमिक उपकरणों के उपयोग, सुरक्षित निकासी (इवैक्यूएशन) प्रक्रिया तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया के बारे में भी समझाया गया। व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

सराफा में सोना है पर तपाने को गैस नहीं : 5 हजार बंगाली कारीगरों ने छोड़ा शहर, 15 दिन में पूरा हो रहा ऑर्डर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर का सराफा बाजार इन दिनों गंभीर संकट से जूझ रहा है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत ने सोने-चांदी के कारीगरों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। खासतौर पर बंगाली कारीगर सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि हजारों कारीगर काम छोड़कर पश्चिम बंगाल लौट चुके हैं, जबकि बाकी पलायन की तैयारी में हैं।

देवी अहिल्या बंगाली स्वर्ण शिल्पी सेवा समिति के अध्यक्ष सुशांत सामंत बताते हैं कि जेवर बनाने की कला समय के साथ बदली है। साल 2000 से गैस का उपयोग हो रहा है, जबकि पहले मोम और दीये से काम होता था। अब पूरी तकनीक गैस पर आधारित है। कमर्शियल सिलेंडर की कमी से अगले 15 दिनों में काम ठप होने की आशंका है। पीएनजी लाइन की योजना और सर्वे हुआ था, लेकिन लागू नहीं हो पाया। प्रति दुकान 80 हजार रुपए की कॉस्टिंग कारीगर देने को तैयार थे, फिर भी काम अधर में है।

इंदौर सराफा में करीब 20 हजार बंगाली कारीगर काम करते हैं। अभिजीत माहितो के अनुसार गैस की कमी से 4 से 5 हजार कारीगर शहर छोड़ चुके हैं। उनका कहना है कि 'हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। हम केवल कमर्शियल सिलेंडर इस्तेमाल करते हैं। गैस एजेंसी को फोन लगाओ तो जवाब मिलता है कि माल नहीं है। कारीगर इन्हीं सिलेंडरों पर खाना भी बनाते हैं। 'वेटिंग पीरियड' बढ़ा, वर्किंग स्लो हुई गैस संकट का असर जेवरों की डिलीवरी पर पड़ रहा है। बसंत सोनी के अनुसार बंगाली कारीगरों का काम गैस के बिना संभव नहीं है और काम रुक गया है। सभी गोल्ड आइटम गैस पर निर्भर हैं।

गैस की कमी से सिस्टम धीमा हो गया है। जो जेवर 2-4 दिन में तैयार होते थे, अब 15 दिन लग रहे हैं। रवि जोशी के अनुसार वैश्विक परिस्थितियों और गैस संकट ने दोहरी मार डाली है। वर्किंग स्लो हो गई है और सिलेंडर न होने से कारीगर गांव चले गए हैं। पहले 8-10 दिन में जेवर तैयार होते थे, अब 15-20 दिन लग रहे हैं। बाजार की अनिश्चितता से स्थिति और जटिल हो गई है। पश्चिम बंगाल चुनाव के कारण कारीगरों में राजनीतिक जिम्मेदारी की चिंता भी है। यह उनके लिए दोहरी मार है। जिनके पास काम नहीं है, उनके लिए घर पहुंचना वोट से बड़ी चिंता है। बंटे वोट बैंक के कारण कुछ कारीगर इंदौर और कुछ बंगाल में मतदाता हैं। जिनका वोट बंगाल में है, वे चुनाव में जाना चाहते हैं, जबकि जिनका वोट इंदौर में है, वे काम न होने से यहां नहीं रुकना चाहते। ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच बढ़ते टकराव का असर अब मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर भी साफ दिखने लगा है। प्रदेश की औद्योगिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर के उद्योग बुरे दौर से गुजर रहे हैं। यहां के औद्योगिक क्षेत्रों में पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) संकट ने हालात बिगाड़ दिए हैं।

ग्राहक के लिए वजन नहीं, बजट प्राथमिकता

गैस संकट और सोने की बढ़ती कीमतों के बीच ग्राहकों के व्यवहार में बदलाव आया है। सराफा व्यापारी के अनुसार लाइट वेट आभूषण की मांग बढ़ी है। पहले ग्राहक 30, 50 या 100 ग्राम सोना लेते थे, अब वे 50 हजार या 1 लाख के बजट में खरीदारी कर रहे हैं।

ऑर्डर है लेकिन सिलेंडर नहीं

कारीगरों और व्यापारियों का कहना है कि दो हफ्तों में गैस आपूर्ति सामान्य नहीं हुई या पीएनजी काम शुरू नहीं हुआ तो उद्योग ठप हो सकता है। शादी सीजन में ऑर्डर हैं, लेकिन सिलेंडर की कमी से काम सीमित है। सराफा हजारों परिवारों की आजीविका है, लेकिन गैस संकट से पूरा ढांचा प्रभावित हो रहा है। प्रशासन और गैस एजेंसियों के तालमेल की कमी का खामियाजा कारीगर भुगत रहे हैं।

घर जाने के लिए कंफर्म टिकट नहीं

पलायन कर रहे कारीगरों के लिए घर वापसी भी मुश्किल हो गई है। काम ठप होने से रोजी का संकट है और चुनावी माहौल में घर पहुंचना चुनौती है। 30 प्रतिशत कारीगर लौट चुके हैं, लेकिन ट्रेनों में लंबी वेटिंग है। 'तत्काल' में भी टिकट नहीं मिल रहे हैं। कई कारीगर जनरल बोगियों या बसों से जाने को मजबूर हैं।

मैनेजमेंट की प्रोफेसर को 40 बार किया कॉल पति ने सिर दीवार में दे मारा, गला दबाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में एक निजी कॉलेज में मैनेजमेंट प्रोफेसर महिला का सिर उसके पति ने दीवार पर दे मारा। गला पकड़कर कहा कि अगर उसकी बात नहीं मानी तो जिंदा नहीं छोड़ेगा। पति की हरकत से नाराज महिला ने घर छोड़ दिया था। इसके बाद उसने 40 बार कॉल किया। जब फोन रिसीव नहीं हुआ तो उसने उसे ढूंढकर यह हरकत की है।

कनाड़िया पुलिस ने प्रोफेसर की शिकायत पर आरोपी पति शुभम राठौर के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्रोफेसर ने कुछ दिन पहले पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत दी थी कि उसका शुभम से पिछले 4 साल से प्रेम संबंध था। दोनों ने मई 2024 में शादी कर ली थी।

शादी के बाद शुभम उससे लगातार पैसों की मांग करने लगा और उसकी सैलरी पर भी नजर रखने लगा। 16 अक्टूबर 2024 को उसने महिला के साथ मारपीट की, जिसकी शिकायत महिला ने सखी वन स्टॉप सेंटर में भी की थी। इसके बाद वह डर के कारण उससे अलग रहने लगी।

बोला- बात नहीं मानी तो जिंदा नहीं छोड़ूंगा

हरकतों के कारण दोबारा छोड़ना पड़ा घर

महिला ने बताया कि काउंसलिंग के बाद दोनों फिर साथ रहने लगे, लेकिन शुभम की हरकतों के कारण महिला को दोबारा घर छोड़ना पड़ा। 12 मार्च को शुभम ने उसे कॉल कर लोकेशन मांगी, लेकिन महिला ने मोबाइल बंद कर लिया, क्योंकि पति ने पहले ही उसका नंबर ब्लॉक कर रखा था। इसके बाद उसने लगातार करीब 40 बार कॉल किए। आरोप है कि बाद में शुभम उसे ढूंढते हुए उसके घर पहुंच गया। रात में उसने महिला का गला पकड़ लिया और जान से मारने की नीयत से उसका सिर दीवार में दे मारा। इसके बाद हाथ-मुक्कों से मारपीट की और सैलरी व एटीएम कार्ड देने की धमकी दी। उसने कहा कि यदि उसकी बात नहीं मानी तो वह उसे जिंदा नहीं छोड़ेगा।

धमकी दी की हत्या कर दूंगा या जला देगा

इसके बाद शुभम ने तलाक की बात करते हुए महिला को धमकी दी कि वह कभी भी उसकी हत्या कर सकता है या उसे जला देगा। घटना के बाद प्रोफेसर महिला ने अपनी सहेली को पूरी जानकारी दी। शुभम की इन हरकतों से डरकर पीड़िता ने वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे आरोपी बनाया है।

जिम संचालक पर तलवार से हमला

इंदौर में कार पार्किंग को लेकर हुआ था विवाद 60 फीट रोड की घटना, थाने में हुआ समझौता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के एरोड्रम इलाके में कार पार्किंग को लेकर हुआ मामूली विवाद अचानक हिंसक हो गया। गुस्साए पड़ोसी ने जिम संचालक पर तलवार से हमला कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले में संज्ञान लिया है। मामला 60 फीट रोड का है, जहां आशू व्यास जिम का संचालन करते हैं। उनका पास में रहने वाले व्यक्ति से कार पार्किंग को लेकर विवाद हुआ था। कहासुनी के बाद मामला इतना बढ़ा कि पड़ोसी तलवार लेकर मौके पर पहुंच गया और अचानक हमला कर दिया।

हमले के दौरान आशू व्यास ने हाथ से तलवार रोकने की कोशिश की। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उनकी जान बचाई। घटना का वीडियो मौके पर मौजूद लोगों ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने वीडियो के आधार पर मामले को संज्ञान में लिया है और जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक देर शाम दोनों पक्षों के बीच थाने में समझौता हो गया। हालांकि तलवार से हमले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अपने स्तर पर जांच कर रही है।

23 साल पुराने जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, अमित जोगी को उम्रकैद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में दो दशक बाद हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को उम्रकैद की सजा दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब सभी आरोपियों पर एक ही अपराध में शामिल होने के आरोप हों, तो किसी एक आरोपी के साथ अलग या पक्षपातपूर्ण व्यवहार नहीं किया जा सकता।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविन्द वर्मा की स्पेशल डिविजन बेंच ने अपने फैसले में कहा कि यदि सभी आरोपियों के खिलाफ समान प्रकार के साक्ष्य मौजूद हैं, तो किसी एक को बरी करना और बाकी को उन्हीं साक्ष्यों के आधार पर दोषी ठहराना न्यायसंगत नहीं है। अदालत ने यह भी जोड़ा कि ऐसा तभी संभव है जब किसी आरोपी को अलग से राहत देने के लिए ठोस और विशिष्ट कारण मौजूद हों।

कोर्ट ने अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत दोषी ठहराया। इसके तहत उन्हें उम्रकैद के साथ 1000 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में उन्हें अतिरिक्त 6 महीने की सजा भुगतनी होगी। यह फैसला लंबे समय से लंबित इस मामले में न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। इससे पहले हाईकोर्ट ने अमित जोगी को दोषी माना था और तीन सप्ताह में सरेंडर करने के निर्देश दिए हैं।

4 जून 2003 को राजधानी रायपुर में एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज मामले में कुल 31 लोगों को आरोपी बनाया गया था। इनमें से बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बन गए थे, जबकि अमित जोगी को छोड़कर बाकी 28 आरोपियों को सजा सुनाई गई थी।

मंत्री के करीबी एमआईसी मेंबर मनीष मामा को जान से मारने की धमकी, तीन थानों ने दर्ज नहीं किया केस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम में एमआईसी मेंबर और वार्ड 64 के पार्षद मनीष शर्मा उर्फ मामा को पुलिस ने तीन थानों में भटका दिया। मनीष को जान से मारने की धमकी मिली थी। वहीं वह इसी की शिकायत लेकर पहुंचे थे, लेकिन उन्हें हर थाने से आवेदन लेकर दूसरे थाने भेज दिया गया। बता दें कि मनीष शर्मा मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के करीबी हैं। रविवार, 05 अप्रैल की दोपहर को तीन इमली चौराहे पर उनके पोस्टर को किसी ने फाड़ दिया। जब वह मौके पर पहुंचे तो फटा पोस्टर देखा। इसमें एक चिट्ठी मिली, जिसमें उनके लिए अपशब्द लिखे थे। साथ ही जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसके बाद वह इसकी शिकायत कराने के लिए थाने गए। एमआईसी मेंबर मनीष मामा पहले भंवरकुआं थाने गए। वहां से एसीपी विजय चौधरी और एसआई धर्मवीर सिंह उनके साथ घटनास्थल पहुंचे। फिर उनसे लिखित आवेदन लिया और थाने की सील लगाकर लौटा दिया। कहा कि यह क्षेत्र आजाद नगर में आता है, इसलिए वहां जाएं। इसके बाद वह आजाद नगर पहुंचे। वहां भी आवेदन लिया गया और सील लगाई गई। यहां से कहा गया कि संयोगितागंज थाना जाना होगा। फिर वह संयोगितागंज थाने गए, लेकिन यहां भी आवेदन पर सील लगाकर लौटा दिया गया। केस दर्ज नहीं किया गया। इस पर मनीष मामा ने कहा कि मैं एक शिकायत दर्ज कराने तीन थानों में भटका हूं। जब एमआईसी मेंबर पार्षद का यह हाल है, तो आम लोगों का क्या होता होगा। वहीं जानकारों का कहना है कि प्रावधान है कि यदि मामला संबंधित थाने का नहीं भी हो, तो जीरो पर केस दर्ज कर संबंधित थाने भेजा जाना चाहिए, लेकिन पुलिस फरियादी को ही भटका रही है।

भोजशाला विवाद

आज हिंदू फ्रंट रखेगा पक्ष, मांग है कि सरस्वती देवी की प्रतिमा स्थापित हो, नमाज बंद हो

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● धार की भोजशाला का विवाद हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट और फिर इंदौर हाईकोर्ट पहुंच चुका है। इस मामले में सोमवार से अंतिम सुनवाई शुरू की जा रही है। इसके पहले 2 अप्रैल की सुनवाई में तय हुआ था कि सोमवार 6 अप्रैल से हर दिन लंच के बाद इसकी सुनवाई होगी। पहले क्रम से याचिकाकर्ता को पक्ष रखने दिया जाएगा, फिर पक्षकार पक्ष रखेंगे और आखिर में समय मिला तो मध्यस्थ (इंटरवेनर) पक्ष रखेंगे।

इसमें पहले क्रम पर हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की याचिका है। फिर अंतर सिंह व अन्य की याचिका। इसके बाद मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी धार, अब्दुल समद, इसके बाद कुलदीप तिवारी की याचिका है। आखिर में काजी जकुलल्लाह की रिट अपील है। वहीं भोजशाला को जैन मंदिर बताने को लेकर सलेक चंद जैन की याचिका भी लगी है।

हिंदू फ्रंट की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन पक्ष रखेंगे। उनके साथ अधिवक्ता विनय जोशी होंगे। वहीं याचिकाकर्ता आशीष गोयल भी उपस्थित रहेंगे। भारत सरकार को ट्रस्ट अधिनियम 1882 के प्रावधानों के तहत भोजशाला मंदिर और संस्कृत शिक्षण के मामलों के प्रशासन और प्रबंधन के लिए ट्रस्ट बनाने के निर्देश दिए जाएं। इसी ट्रस्ट को देवी सरस्वती की प्रतिमा को फिर स्थापित करने तथा देवी सरस्वती के दर्शन, पूजा और उपासना की व्यवस्था करने के निर्देश दिए जाएं। मंदिर परिसर के भीतर मुसलमानों को किसी भी प्रकार से प्रार्थना या पूजा करने की अनुमति देने से रोकने के लिए आदेश जारी हो। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के निदेशक के 7 अप्रैल 2003 को पारित आदेश के उस पैराग्राफ को रद्द किया जाए, जो हिंदुओं को पूजा करने के अधिकार को प्रतिबंधित करता है।

तहसीलदार की कार्यवाही को ठेकेदार ने दिखाया ठेंगा

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

अवैध खनन मामले में तहसीलदार द्वारा की गई कार्यवाही पर ठेकेदार भारी पड़ते नजर आए दरअसल गोकलपुर के तालाब में अवैध खनन का काम हो रहा था जानकारी में बता दे, इंगोरिया से देपालपुर सड़क मार्ग का काम जैनको इंटरप्राइजेज कंपनी के पास है रोड पर पीली मिट्टी डालने का काम चल रहा है। गोकलपुर के सरपंच ने तालाब खुदाई की 3 फीट की परमिशन कंपनी वालों को दी है, लेकिन ठेकेदार ने तालाब को करीब 15 फीट गहरा खोद दिया। इसकी जानकारी गांव वालों को लगी तो उन्होंने तहसीलदार और आला अधिकारियों को शिकायत की मौके पर नायब तहसीलदार नागेंद्र त्रिपाठी ने पहुंचकर कार्यवाही की डंपर और पोकलेन मशीन जप्त कर गांव के सरकारी स्कूल में खड़ा करवा दिया। लेकिन ठेकेदार ने अपना रसूख दिखा कर रात में ही डंपर और पोकलेन मशीन वहां से गायब करवा दी इस मामले की जानकारी नायब तहसीलदार को लगी तो

कार्यवाही में जब्त पोकलैंड डंपर हुए गायब

उन्होंने जांच कर कार्यवाही की बात कही है।

ठेकेदार ने पीली मिट्टी निकालने के साथ-साथ मुरम को भी निकाला है इसकी जानकारी खनिज विभाग के अधिकारियों को भी है लेकिन उन्होंने अब तक कोई कार्यवाही नहीं की आलोक अग्रवाल पिछले दो दिनों कार्रवाई का आश्वासन दे रहे हैं, लेकिन अब तक वह मौके पर नहीं पहुंचे कहीं ना कहीं खनिज विभाग के अधिकारियों की मिली भगत इस बात को दर्शा रही है। देपालपुर जनपद पंचायत की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो गए हैं परमिशन का अहम रोल जनपद कार्यालय देपालपुर का ही रहता है लेकिन इस मामले में जनपद सीईओ पूजा मालाकार बोलने को तैयार नहीं है।

गांववालों को ठेकेदार पर कार्यवाही का इंतजार है ठेकेदार लगातार शासन प्रशासन को खुलेआम चुनौती दे रहा है क्या अब प्रशासन या खनिज विभाग ठेकेदार पर कार्यवाही करेगा तहसीलदार द्वारा की गई कार्यवाही को ठेकेदार ने खुलेआम चुनौती दी है क्या इनको शासन प्रशासन का भय नहीं है गांव वालों का कहना है ठेकेदार पर लूट और चोरी का केस दर्ज होना चाहिए अब देखना होगा प्रशासन ठेकेदार पर क्या कार्यवाही करते हैं।

तुलसी नगर में ग्रीन बेल्ट पर अतिक्रमण से आक्रोश, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की तुलसी नगर कॉलोनी के बी-सेक्टर में ग्रीन बेल्ट की जमीन पर कथित अवैध अतिक्रमण को लेकर स्थानीय रहवासियों में भारी आक्रोश है। एक्सिस बैंक और अजीबाई स्वीट्स के सामने, तुलसी नगर-अपोलो डीबी सिटी रोड पर स्थित इस जमीन पर नियमों की खुलेआम अनदेखी करते हुए दुकानों, कार गैराज और अन्य अस्थायी निर्माण किए जाने के आरोप लगे हैं।

रहवासियों के अनुसार, यह जमीन नगर निगम और जिला प्रशासन के रिकॉर्ड में ग्रीन बेल्ट के रूप में दर्ज है। इसके बावजूद यहां लगातार अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि इस संबंध में कई बार अधिकारियों को शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की 'निष्क्रियता और चुप्पी' पर नाराजगी जताते हुए संभावित मिलीभगत के आरोप भी लगाए हैं। एक निवासी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि 'बार-बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होना इस ओर संकेत करता है कि कुछ अधिकारियों और अतिक्रमण करने वालों के बीच सांठगांठ हो सकती है।'एक अन्य निवासी ने बताया कि कुछ महीने पहले एक वरिष्ठ नगर निगम अधिकारी, जोन 8 के जोनल अधिकारी के साथ मौके पर पहुंचे थे। स्थानीय पार्षद द्वारा उन्हें ग्रीन बेल्ट क्षेत्र और राम मंदिर (निपानिया चौराहा) तक अवरुद्ध मार्ग की स्थिति दिखाई गई थी। उस समय वरिष्ठ अधिकारी ने जोन 8 को राम मंदिर तक सीमेंट-कांक्रीट सड़क निर्माण और ग्रीन बेल्ट से अतिक्रमण हटाने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए थे, लेकिन आज तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।